VRINDAVAN
Books International

BASED ON
**NEP/NCF**

# वर्णिका

## हिंदी व्याकरण

**Class**

**6**

*Written by :*
**Author's Team**
*(Vidyalaya Prakashan)*

**Vrindavan Books International**
**New Delhi**

# INDEX


| Sl. No. | Book Name | Page No. |
|---|---|---|
| 1. | वर्णिका हिंदी व्याकरण – VI | 3 |



**Vrindavan Books International**

**New Delhi**

**Sales Office :**

C-24, Jwala Nagar, Transport Nagar, Meerut - 250002

Ph. : 0121 - 2400630, 8899271392

**Head Office :**

A-102, Chandar Vihar, Delhi - 110092

e-mail : vidyalayaprakashan@yahoo.in

# पाठ-1 : भाषा, लिपि और व्याकरण

## खण्ड 'क'

**क. सही विकल्प पर सही '✓' का चिह्न लगाइए-**

| | |
|---|---|
| 1. हिंदी भाषा की | 2. पत्र लिखता एक लड़का |
| 3. तीन प्रकार से | 4. भाषा |
| 5. आज्ञा | 6. खड़ी बोली |
| 7. 'च' वर्ग का | 8. ध्वनि चिह्नों की व्यवस्था |
| 9. मौखिक | 10. राष्ट्रीय भाषा |

**ख. इनका सही मिलान कीजिए-**

| अ | ब |
|---|---|
| कन्नड़ | कर्नाटक की मुख्य भाषा |
| लिपि | ध्वनि के रूप में प्रयुक्त चिन्ह |
| गुरुमुखी देवनागरी | हिंदी भाषा की लिपि |
| रोमन | अंग्रेजी भाषा की लिपि |

**ग. खाली स्थानों में निम्नलिखित शब्दों को उचित रूप से भरिए-**

| | | |
|---|---|---|
| 1. भारतीय, | 2. हिन्दुस्तान | 3. हिंदी |
| 4. देवनागरी | 5. गर्व | |

**घ. सत्य/असत्य लिखिए-**

| | | |
|---|---|---|
| 1. असत्य | 2. सत्य | 3. सत्य |
| 4. सत्य | 5. सत्य | |

## खंड 'ख'

**क. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक-एक पंक्ति में लिखिए।-**

1. हमारी मातृभाषा हिन्दी है।
2. भारत की राष्ट्रभाषा की देवनागरी लिपि है।
3. भाषा को व्यक्त करने के तीन माध्यम हैं।

4. अपने विचारों को बोलकर प्रकट करना भाषा का मौखिक माध्यम है।
5. रवि, मनु को छत से उतरने के लिए अपने हाथ को ऊपर-नीचे कर रहा है। वह भाषा के सांकेतिक माध्यम से अपनी बात को कहना चाह रहा है।
6. व्याकरण को तीन भागों में विभाजित किया गया है।
7. किसी भाषा के शुद्ध लिखने, बोलने तथा पढ़ने के क्रम व्यवस्थित ज्ञान को व्याकरण कहते हैं।

**ख. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर पाँच से छः पंक्तियों में लिखिए-**

1. मन के भावों या विचारों को बोलकर या लिखकर प्रकट करने के साधन को हम भाषा कहते हैं।

   भाषा के तीन रूप हैं -(i) मौखिक भाषा, (ii) लिखित भाषा, (iii) सांकेतिक भाषा
2. (i) मौखिक भाषा-जब व्यक्ति/प्राणी अपने भावों को बोलकर प्रकट करता है, तब वह मौखिक भाषा कहलाती है।

   (ii) लिखित भाषा-जब कोई व्यक्ति अपने विचारों को पत्र या किसी अन्य प्रपत्र द्वारा लिखकर व्यक्त करता है, तब उसे लिखित भाषा कहते हैं।

   (iii) सांकेतिक भाषा-जब कोई व्यक्ति या प्राणी अपने विचारों को बोलकर या लिखकर न प्रकट करके किसी इशारे या संकेत द्वारा प्रकट करता है, तब इसे सांकेतिक भाषा कहते हैं।
3. लिखित भाषा का प्रयोग करते समय तब हमें कुछ चिह्नों की आवश्यकता पड़ती है; जैसे-अ, आ, क, झ, ञ अं .... आदि। ये चिह्न या ध्वनियाँ ही 'लिपि' कहलाती हैं।
4. भाषा को शुद्ध बोलने, शुद्ध लिखना तथा शुद्ध पढ़ने के लिए हमें व्याकरण की आवश्यकता पड़ती है। इसलिए हम व्याकरण सीखते हैं।
5. वर्ण विचार व्याकरण का एक विभाग है। इस विभाग में वाक्य, वाक्य-रचना, वाक्य-भेद, विराम-चिह्न आदि के बारे में विचार किया जाता है।

**ग. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर आठ से दस पंक्तियों में लिखिए -**

1. भाषा को शुद्ध रूप में लिखना, पढ़ना और बोलना सिखाने वाला शास्त्र व्याकरण कहलाता है -

उदाहरण – 1. मैंने दूध पी लिया है। 2. मोर नाच रहा है। 3. बच्चे लड़ रहे हैं।

2. शब्द विचार – शब्द विचार के अंतर्गत शब्दों के भेद, शब्दों की उत्पत्ति तथा रचना आदि का उल्लेख किया जाता है। शब्दों के सही मेल से ही हम बात को सही–सही समझ पाते हैं।

   वाक्य विचार – वाक्य विचार के अंतर्गत वाक्य के प्रकार, उनकी रचना, विश्लेषण, विभिन्न विराम–चिह्नों के प्रयोग तथा अन्य तरह–तरह के शब्दों का वाक्यों में प्रयोग आदि का उल्लेख किया जाता है।

3. भाषा और व्याकरण का अटूट संबंध है। कोई भी व्यक्ति व्याकरण को जाने बिना भाषा के शुद्ध रूप को न तो बोल सकता है और न ही सीख सकता है। व्याकरण भाषा की शुद्धता व अशुद्धता का नियम निर्धारित करती है।
4. किसी भी भाषा के लिखने, पढ़ने और बोलने के निश्चित नियम होते हैं। भाषा की शुद्धता व सुंदरता को बनाए रखने के लिए इन नियमों का पालन करना आवश्यक होता है। ये नियम ही व्याकरण के अंतर्गत आते हैं। व्याकरण भाषा के अध्ययन का महत्त्वपूर्ण हिस्सा है। व्याकरण के नियम ही बताते हैं कि भाषा का कौन–सा रूप शुद्ध है और कौन–सा अशुद्ध है। अतः व्याकरण के बिना एक भाषा को शुद्ध रूप में बोला, पढ़ा व लिखा नहीं जा सकता है।

**घ. इन शब्दों के अर्थ लिखिए–**

1. मौखिक–मुँह से बोला हुआ
2. लिखित–लिखा हुआ।
3. सांकेतिक–संकेत रूप में होने वाला
4. व्यक्त करना –प्रकट करना/अभिव्यक्त करना
5. भाव/विचार – मन में आने वाले ख्याल

**ङ. निम्नलिखित को शुद्ध करके पुनः लिखिए –**

1. राम स्कूल जाता है।
2. दिनेश आठवीं कक्षा में पढ़ता है।
3. राष्ट्रीय आंदोलन
4. मातृभाषा

## पाठ-2 : वर्ण विचार

### खण्ड 'क'

**क. सही विकल्प पर सही '✓' का चिह्न लगाइए-**

| | | |
|---|---|---|
| 1. 6 | 2. गृह | 3. इ |
| 4. तीन | 5. औ | 6. ३ |
| 7. कृष | 8. ल | 9. ज् + ञ |
| 10. ख, घ | | |

**ख. इनका सही मिलान कीजिए-**

| अ | ब |
|---|---|
| अल्पप्राण के व्यंजन | प, ब, म |
| महाप्राण के व्यंजन | छ, झ, ठ |
| हिन्दी के स्वर | अ, आ, ...... |
| 'ओर' शब्द में मात्रा | ो |
| 'अविचल' शब्द में मात्रा | ि |

**ग. खाली स्थानों में निम्नलिखित शब्दों को उचित रूप से भरिए-**

| | | |
|---|---|---|
| 1. स्वरों | 2. शब्द | 3. ग्यारह |
| 4. भाषा | 5. ध्वनियाँ | |

**घ. सत्य/असत्य लिखिए-**

| | | |
|---|---|---|
| 1. असत्य | 2. असत्य | 3. सत्य |
| 4. सत्य | 5. सत्य | |

### खण्ड 'ख'

**क. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक-एक पंक्ति में लिखिए।-**

1. ध्वनि संकेत भाषा की सबसे छोटी इकाई है।
2. हिन्दी भाषा की वर्णमाला में दीर्घ स्वर हैं-आ, ई, ऊ, ए, ऐ, ओ, औ।
3. हिन्दी वर्णमाला में व्यंजन के तीन भेद हैं।
4. वे वर्ण जो स्वरों की सहायता से बोले जाते हैं, व्यंजन कहलाते हैं।
5. अल्पप्राण व्यंजन-

| | | | |
|---|---|---|---|
| क वर्ग | क, ग, ङ | च वर्ग | च, ज, ञ |
| ट वर्ग | ट, ड, ण, ड़ | त वर्ग | त, द, न |
| प वर्ग | प, ब, म | अंतः स्थ | य, र, ल, व |

6. स्वर मात्रा संकेत

| | |
|---|---|
| आ | ा |
| इ | ि |
| ई | ी |

**ख. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर पाँच से छः पंक्तियों में लिखिए–**

1. हिंदी वर्णमाला के स्वर :
   अ, आ, इ, ई, उ, ऊ, ऋ, ए, ऐ, ओ, औ।
2. श्वास के आधार पर व्यंजन दो प्रकार के होते हैं–
   1. अल्पप्राण व्यंजन तथा 2. महाप्राण व्यंजन
   1. अल्पप्राण व्यंजन – वे व्यंजन, जिनके उच्चारण में श्वास कम मात्रा में निकलती है, अल्पप्राण व्यंजन कहलाते हैं। प्रत्येक वर्ग का पहला (क), तीसरा (ग), पाँचवाँ (ङ) आदि अक्षर अल्पप्राण व्यंजन कहलाते हैं।
   2. महाप्राण व्यंजन – वे व्यंजन जिनके उच्चारण में श्वास की मात्रा अधिक निकले, महाप्राण व्यंजन कहलाते हैं। प्रत्येक वर्ग का दूसरा और चौथा वर्ण (व्यंजन) महाप्राण होता है।
3. वे व्यंजन जिनके उच्चारण में श्वास की मात्रा अधिक निकले, महाप्राण व्यंजन कहलाते हैं। प्रत्येक वर्ग का दूसरा, चौथा, छठा वर्ण (व्यंजन) महाप्राण होता है।
4. वे व्यंजन जिनके उच्चारण में श्वास कम मात्रा में निकलती है, अल्प्राण व्यंजन कहलाते हैं। प्रत्येक वर्ग का पहला (क), तीसरा (ग), पाँचवाँ (ङ) आदि अक्षर अल्पप्राण होते हैं।
5. उच्चारण के आधार पर व्यंजनों के तीन भेद हैं–
   (1) स्पर्श व्यंजन (2) अंतस्थ व्यंजन (3) उष्म व्यंजन

**ग. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर आठ से दस पंक्तियों में लिखिए –**

1. स्वर–जिन वर्णों के उच्चारण में किसी अन्य वर्ण की सहायता नहीं ली जाती है, उन्हें स्वर कहा जाता है। इनका उच्चारण स्वतंत्र रूप से होता है। इनके उच्चारण में हवा मुँह के बिना रुके बाहर आती है। स्वरों की कुल संख्या ग्यारह (11) है।
   व्यंजन – जिन वर्णों के उच्चारण में स्वर वर्ण की सहायता ली जाती है, वे व्यंजन कहलाते हैं। इनके उच्चारण में हवा कंठ से निकलकर मुँह में रुककर बाहर आती है। हिंदी भाषा में 33 व्यंजन होते हैं।

2. जब स्वर, व्यंजन से मिलते हैं तो उनका स्वरूप बदल जाता है। इस बदले हुए स्वरूप को मात्रा कहते हैं। मात्रा, स्वर का ही रूप होता है और स्वरों की सहायता के बिना व्यंजनों को नहीं बोला जा सकता । वैसे तो स्वरों की संख्या 11 मानी गयी हैं, लेकिन मात्राएँ सिर्फ 10 स्वर की होती है। 'अ' स्वर की कोई मात्रा नहीं होती है।

उदाहरण –

| स्वर | मात्रा | व्यंजन के साथ मात्रा |
|---|---|---|
| आ | ा | क + ा – का – काला |
| इ | ि | क + ि – कि – किताब |
| ई | ी | क + ी – का – कीड़ा |

3. अल्पप्राण व्यंजन – वे व्यंजन, जिनके उच्चारण में श्वास कम मात्रा में निकलती है, अल्पप्राण व्यंजन कहलाते हैं। प्रत्येक वर्ग का पहला (क), तीसरा (ग), पाँचवाँ (ङ) आदि अक्षर अल्पप्राण व्यंजन कहलाते हैं।

   महाप्राण व्यंजन – वे व्यंजन जिनके उच्चारण में श्वास की मात्रा अधिक निकले, महाप्राण व्यंजन कहलाते हैं। प्रत्येक वर्ग का दूसरा और चौथा वर्ण (व्यंजन) महाप्राण होता है।

**घ. इन शब्दों के अर्थ लिखिए–**

| | | |
|---|---|---|
| 1. | ध्वनि–संकेत | ध्वनि के लक्षण |
| 2. | वर्णमाला | वर्णों का व्यवस्थित समूह |
| 3. | अयोगवाह | स्वर और व्यंजन से अलग वर्ण |
| 4. | स्पर्श व्यंजन | जिन वर्णों के उच्चारण में मुख के विभिन्न भागों का स्पर्श होता है, उन्हें स्पर्श व्यंजन कहते हैं। |
| 5. | ओष्ठ | होठ |
| 6. | तालु | मुँह के अंदर दाँत और कौवे के बीच का भाग |

**ङ. निम्नलिखित को शुद्ध करके पुनः लिखिए –**

| | | |
|---|---|---|
| 1. | साधू–संत | साधु–संत |
| 2. | प्रारमभ | प्रारंभ |
| 3. | केलाश पर्वत | कैलाश पर्वत |

| | |
|---|---|
| 4. अजनवि | अजनबी |
| 5. राकेश खिलाड़ी क्रिकेट है का | राकेश क्रिकेट का खिलाड़ी है। |
| 6. अवनीश होगा पहुँच गया घर अपने। | अवनीश अपने घर पहुँच गया होगा। |

## पाठ-3 : शब्द विचार

### खण्ड 'क'

**क. सही विकल्प पर सही '✓' का चिह्न लगाइए-**

| | | |
|---|---|---|
| 1. सार्थक शब्द | 2. युग्म शब्द | 3. ताँबा |
| 4. धैर्य | 5. चार | 6. प्रयोग |
| 7. अरबी | 8. योगरूढ़ | 9. क्रिया-विशेषण |
| 10. आकाश | | |

**ख. इनका सही मिलान कीजिए-**

| अ | ब |
|---|---|
| छत, पेड़, घड़ी | एकार्थी शब्द |
| अंतर, भेद, दूरी | अनेकार्थी शब्द |
| पावक, अग्नि, अनल | पर्यायवाची शब्द |
| अच्छा-बुरा, अधिक-कम | विलोम शब्द |
| अनल-अनिल, अभिराम-अविराम | समोच्चारित भिन्नार्थक शब्द |

**ग. खाली स्थानों में निम्नलिखित शब्दों को उचित रूप से भरिए-**

| | |
|---|---|
| 1. तत्सम | - दधि, चंद्र, मुक्ता, कार्य, चूर्ण |
| 2. तद्भव | - दूध, आम, आग, डंडा, घर, नाच |
| 3. विदेशी | - गलीचा, पुलिस, बेगम, साबुन, कैंची |

**घ. शब्दों के सही प्रकार पर सही का चिह्न ( ✓ ) लगाइए-**

| | |
|---|---|
| 1. रूढ़ | 2. निरर्थक |
| 3. अविकारी | 4. पर्यायवाची |
| 5. तत्सम | 6. देशज |
| 7. युग्म शब्द | |

खण्ड 'ख'

**क. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक-एक पंक्ति में लिखिए।-**

1. उम्र
2. शब्दों का निर्माण दो या दो से अधिक वर्णों के मिलाने से होता है।
3. 'कबूतर' शब्द में छः वर्णों का प्रयोग हुआ है।
4. विपरीतार्थक शब्द।
5. के पास, के ऊपर, के दूर
6. क्रिया-विशेषण क्रिया की विशेषता बताते हैं।
7. उत्पत्ति के आधार पर शब्द के चार भेद हैं।
8. विकारी तथा अविकारी शब्द प्रयोग के आधार पर वर्गीकृत हैं।

**ख. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर पाँच से छः पंक्तियों में लिखिए-**

1. शब्द विचार हिंदी व्याकरण का दूसरा खंड है, जिसके अंतर्गत शब्द की परिभाषा, भेद-उपभेद, रूपांतरण, निर्माण आदि से संबंधित नियमों पर विचार किया जाता है।

   रचना के आधार पर शब्दों के तीन भेद हैं- रूढ़ शब्द, यौगिक शब्द तथा योगरूढ़ शब्द।

2. अर्थ के आधार पर शब्दों के छः भेद हैं-

   1. एकार्थी शब्द, 2. अनेकार्थी शब्द, 3. पर्यायवाची शब्द, 4. विलोम शब्द
   5. अनेक शब्दों के लिए एक शब्द, 6. श्रुतिसम भिन्नार्थक शब्द

   अनेकार्थक शब्द -जिन शब्दों के एक से अधिक अर्थ हों, वे अनेकार्थक शब्द कहलाते हैं।

3. पर्यायवाची शब्द-जिन शब्दों के एक समान अर्थ हों, वे पर्यायवाची या समानार्थक शब्द कहलाते हैं। उदाहरण-

   आकाश - गगन, शून्य, अंतरिक्ष, आसमान।
   आग - पावक, अग्नि, अनल, हुताशन।
   ईश्वर - भगवान, जगदीश, प्रभु, नारायण।
   कपड़ा - वस्त्र, चीर, अंबर, पट।
   गंगा - भागीरथी, मंदाकिनी, पुरंदरा।

4.

5. देशज – थैला, जूता, गाड़ी, रोटी।

विदेशी – शादी, गलीचा, तौलिया, चश्मा।

**ग. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर आठ से दस पंक्तियों में लिखिए–**

1. शब्द निम्नलिखित चार प्रकार के होते हैं–

(क) उत्पत्ति के आधार पर –उत्पत्ति के आधार शब्द चार प्रकार के होते हैं–1. तत्सम, 2. तद्भव, 3. देशज, 4. विदेशी

1. तत्सम शब्द–हिंदी भाषा में प्रयुक्त होने वाले वे शब्द जो संस्कृत भाषा में ज्यों–के–त्यों लिए गए हैं।

2. तद्भव शब्द – वे शब्द जो संस्कृत शब्दों के ही बदले हुए रूप हैं तथा वे हिंदी भाषा में प्रयुक्त होते हैं।

3. देशज शब्द – हिंदी भाषा में जो लोकभाषाओं से शब्द आए हैं, उन्हें देशज शब्द कहते हैं।

4. विदेशी शब्द – पुर्तगाली आदि भाषाओं से आए हुए शब्दों को विदेशी शब्द कहते हैं।

(ख) रचना के आधार पर शब्दों की तीन भागों में बाँटा गया है– 1. रूढ़ शब्द, 2. यौगिक शब्द, 3. योगरूढ़ शब्द

1. रूढ़ शब्द – जिन शब्दों के टुकड़े नहीं किए जा सकते अर्थात् जो शब्द अपने–आप में पूर्ण हैं, जैसे – पुस्तक, चीता आदि रूढ़ शब्द कहलाते हैं।

2. यौगिक शब्द – जिन शब्दों के टुकड़े किए जा सकते हों, अर्थात् वे शब्द जो दो या दो से अधिक शब्दों के मेल से बनते हैं, उन्हें यौगिक शब्द कहते हैं। जैसे – पाठ + शाला – पाठशाला

3. योगरूढ़ शब्द – कुछ शब्द ऐसे होते हैं जो किसी व्यक्ति–विशेष के लिए ही प्रसिद्ध हो जाते हैं तथा उसी के लिये बोले जाते हैं। जैसे – श्वेतांबर, कृष्ण (काला) आदि।

(ग) प्रयोग के आधार पर शब्दों के दो भेद होते हैं – (1) विकारी शब्द, (2) अविकारी शब्द

(1) विकारी शब्द – जिन शब्दों में लिंग, वचन, कारक तथा काल आदि के कारण विकार आ जाता है, वे विकारी शब्द कहलाते हैं। जैसे – घोड़ा, घोड़े, घोड़ों आदि परिवर्तनशील शब्द हैं। वे शब्द संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण तथा क्रिया आदि होते हैं।

(2) अविकारी शब्द – जिन शब्दों के रूप में कोई विकार नहीं आता, अविकारी शब्द कहलाते हैं। इनका नाम अव्यय भी है। वे शब्द क्रिया–विशेषण, विस्मयादिबोधक समुच्चयबोधक, संबंधबोधक आदि होते हैं। इन शब्दों में कोई परिवर्तन नहीं होता।

(घ) अर्थ के आधार पर – अर्थ के आधार पर शब्द मुख्यतः छह भेद हैं –

1. एकार्थी शब्द, 2. अनेकार्थी शब्द, 3. पर्यायवाची या समानार्थी शब्द

4. विलोम या विपरीतार्थक शब्द, 5. अनेक शब्दों के लिए एक शब्द,

6. श्रुतिसम भिन्नार्थक शब्द

1. एकार्थी शब्द – जो शब्द केवल एक ही अर्थ वाले हों, उन्हें एकार्थक शब्द कहते हैं।

2. अनेकार्थी शब्द – जिन शब्दों के एक से अधिक अर्थ हों, वे अनेकार्थी शब्द कहलाते हैं।

उदाहरण – अक्षर – आकाश, वर्ण, मोक्ष      अंतर – भेद, शेष, हृदय

3. पर्यायवाची शब्द – जिन शब्दों के एक समान अर्थ हों, वे पर्यायवाची या समानार्थक शब्द कहलाते हैं।

उदाहरण– आकाश – गगन, शून्य, अंतरिक्ष, आसमान।

आग – पावक, अग्नि, अनल, हुताशन

ईश्वर – भगवान, जगदीश, प्रभु, नारायण।

गंगा – भागीरथी, मंदाकिनी, पुरंदरा।

4. विलोम या विपरीतार्थक शब्द–जो शब्द किसी शब्द के ठीक विपरीत अर्थ का ज्ञान कराते हैं, उन्हें विलोम शब्द कहते हैं।

उदाहरण – अच्छा – बुरा,      अधिक – कम

आकाश – पाताल      उत्थान – पतन

5. अनेक शब्दों के लिए एक शब्द –

6. श्रुतिसम भिन्नार्थक शब्द या समोच्चारित भिन्नार्थक शब्द – कुछ शब्दों की वर्तनी और उच्चारण एक जैसे होते हैं, अर्थात् उनके उच्चारण में अल्पांतर होता है, किंतु उनके अर्थ भिन्न-भिन्न होते हैं। ऐसे शब्दों को समोच्चारित भिन्नार्थक शब्द कहते हैं।

उदाहरण – 1. अनल– आग अनिल – हवा

2. उपेक्षा – तिरस्कार अपेक्षा – आशा

3. अविलंब – तुरंत अवलंब – हवा

4. अभिराम – सुंदर अविराम – लगातार

2. कुछ शब्दों की वर्तनी और उच्चारण एक जैसे होते हैं; किंतु उनके अर्थ भिन्न-भिन्न होते हैं। ऐसे शब्दों को समोच्चारित भिन्नार्थक शब्द कहते हैं।

उदाहरण – 1. अनल– आग अनिल – हवा

2. उपेक्षा – तिरस्कार अपेक्षा – आशा

3. अविलंब – तुरंत अवलंब – हवा

3. एकार्थी शब्द – जिन शब्दों का केवल एक ही अर्थ हो, उन्हें एकार्थी शब्द कहते हैं। उदाहरण – छत, दुकान, घड़ी, पत्ता आदि।

अनेकार्थी शब्द – जिन शब्दों के एक से अधिक अर्थ हों, वे अनेकार्थी शब्द कहलाते हैं।

उदाहरण – अरुण – सूरज, लाल

उत्तर – दिशा, जवाब, बाद में आने वाला

अर्थ – धन, प्रयोजन, कारण, मतलब

4. विकारी शब्द – जिन शब्दों में लिंग, वचन, कारक तथा काल आदि के कारण विकार आ जाता है, वे विकारी शब्द कहलाते हैं। जैसे – घोड़ा, घोड़े, घोड़ों आदि परिवर्तनशील शब्द हैं। वे शब्द संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण तथा क्रिया आदि होते हैं।

(2) अविकारी शब्द – जिन शब्दों के रूप में कोई विकार नहीं आता, अविकारी शब्द कहलाते हैं। इनका नाम अव्यय भी है। वे शब्द क्रिया-विशेषण, विस्मयादिबोधक समुच्चयबोधक, संबंधबोधक आदि होते हैं। इन शब्दों में कोई परिवर्तन नहीं होता।

उदाहरण – धीरे–धीरे, शाबाश !, के नीचे, क्योंकि आदि।

**घ. निम्न शब्दों के अर्थ लिखिए–**

1. पत्थर
2. ऊँट
3. तीन आँखो वाला
4. पतला रास्ता

**ङ. निम्न शब्दों को शुद्ध करके पुनः लिखिए –**

1. इति श्री
2. वांछित
3. अग्नि
4. अंबुज

## पाठ–4 : संज्ञा

खण्ड 'क'

**क. सही विकल्प पर सही '✓' का चिह्न लगाइए–**

1. संज्ञा
2. संज्ञा
3. तीन
4. जातिवाचक संज्ञा
5. मानव–मानवता
6. सर्वनाम
7. भाववाचक संज्ञा
8. धातुवाचक/द्रव्यवाचक संज्ञा
9. भाववाचक संज्ञा
10. जाताचक संज्ञा

**ख. इनका सही मिलान कीजिए–**

| | |
|---|---|
| विशेषण | भाववाचक संज्ञा |
| अच्छा | अच्छाई |
| कायर | कायरता |
| सरल | सरलता |
| प्रसन्न | प्रसन्नता |
| मोटा | मोटाई |
| कोमल | कोमलता |

**ग. निम्नलिखित वाक्यों से संज्ञा शब्द छाँटकर उनके सामने संज्ञा के सही प्रकार लिखिए–**

1. हरि, कबड्डी–व्यक्तिवाचक संज्ञा बचपन–भाववाचक संज्ञा
2. गांधीजी– व्यक्तिवाचक संज्ञा अहिंसा–भाववाचक संज्ञा

3. ताजमहल, आगरा–व्यक्तिवाचक संज्ञा इमारत–जातिवाचक संज्ञा

4. रवि, मोहन–व्यक्तिवाचक संज्ञा घर–जातिवाचक संज्ञा

5. वैशाली–व्यक्तिवाचक संज्ञा

**घ. सत्य/असत्य लिखिए–**

1. असत्य 2. सत्य 3. सत्य

4. सत्य 5. असत्य

खण्ड 'ख'

**क. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक-एक पंक्ति में लिखिए।–**

1. सभी व्यक्तियों के नामों को संज्ञा कहते हैं।
2. संज्ञा पाँच प्रकार की होती है।
3. संज्ञा के किसी एक प्रकार का नाम व्यक्तिवाचक संज्ञा तथा उसका कोई एक उदाहरण–अमिताभ बच्चन है।
4. 'फूल' जातिवाचक संज्ञा है?
5. मित्रता।

**ख. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर पाँच से छः पंक्तियों में लिखिए–**

1. किसी व्यक्ति, वस्तु, प्राणी, स्थान, भाव अथवा गुण आदि के नाम का बोध कराने वाले शब्दों को संज्ञा कहते हैं।
2. संज्ञा के पाँच प्रकार होते हैं।

   **व्यक्तिवाचक संज्ञा**–जो संज्ञा शब्द किसी विशेष व्यक्ति, स्थान अथवा वस्तु का बोध कराते हैं। उन्हें व्यक्तिवचाक संज्ञा कहते हैं।

   उदाहरण–व्यक्ति–महात्मा गाँधी, वस्तु–रामायण, स्थान–आगरा।
3. **भाववाचक संज्ञा**–जिन संज्ञा शब्दों से हमें गुण-दोष, भाव, धर्म, स्थिति तथा अवस्था आदि का बोध हो, वे शब्द भाववाचक संज्ञा कहलाते हैं। जैसे–बचपन, लड़कपन, पशुत, मित्रता आदि।
4. व्यक्तिवाचक संज्ञा–लाल किला, गीता, रामायण, मोहन।

   जातिवाचक संज्ञा–घोड़ा, फूल, वृक्ष, इमारत।
5. भाववाचक संज्ञाओं का निर्माण हम निम्नलिखित शब्दों से कर सकते हैं–

   1. जातिवाचक संज्ञा से 2. सर्वनाम से 3. विशेषण से

   4. क्रिया से 5. क्रिया-विशेषण से

**ग. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर आठ से दस पंक्तियों में लिखिए -**

1. किसी व्यक्ति, वस्तु, प्राणी, स्थान, भाव अथवा गुण आदि के नाम का बोध कराने वाले शब्दों को संज्ञा कहते हैं।

   **व्यक्तिवाचक संज्ञा**-जो संज्ञा शब्द किसी विशेष व्यक्ति, स्थान अथवा वस्तु का बोध कराते हैं। उन्हें व्यक्तिवचाक संज्ञा कहते हैं।

   उदाहरण-व्यक्ति-महात्मा गाँधी, वस्तु-रामायण, स्थान-आगरा।

2. **जातिवाचक संज्ञा**-जो शब्द किसी व्यक्ति, वस्तु, स्थान अथवा प्राणी की पूरी जाति का बोध कराते हैं, उन्हें जातिवाचक संज्ञा कहते हैं। जैसे-लड़का, पक्षी, शहर आदि।

   **समूहवाचक संज्ञा**-ऐसे शब्द जिनसे किसी व्यक्ति या वस्तु के समूह होने का बोध होता है, उनको समूहवाचक संज्ञा कहते हैं। जैसे-मेला, झुड, परिवार, सेना, दल आदि।

3. संज्ञा के पाँच प्रकार होते हैं-

   (1) व्यक्तिवाचक संज्ञा, (2) जातिवाचक संज्ञा,

   (3) भाववाचक संज्ञा (4) समूहवाचक संज्ञा,

   (5) द्रव्यवाचक संज्ञा

   (1) **व्यक्तिवाचक संज्ञा**-जो संज्ञा शब्द किसी विशेष व्यक्ति, स्थान अथवा वस्तु का बोध कराते हैं। उन्हें व्यक्तिवचाक संज्ञा कहते हैं।

   उदाहरण-व्यक्ति-महात्मा गाँधी, वस्तु-रामायण, स्थान-आगरा।

   (2) **जातिवाचक संज्ञा**-जो शब्द किसी व्यक्ति, वस्तु, स्थान अथवा प्राणी की पूरी जाति का बोध कराते हैं। उन्हें जातिवाचक संज्ञा कहते हैं। जैसे-लड़का, पक्षी, शहर आदि।

   (3) **भाववाचक संज्ञा**-जिन संज्ञा शब्दों से हमें गुण-दोष, भाव, धर्म, स्थिति तथा अवस्था आदि का बोध हो, वे शब्द भाववाचक संज्ञा कहलाते हैं। जैसे-बचपन, लड़कपन, पशुता, मित्रता आदि।

   (4) **समूहवाचक संज्ञा**-ऐसे शब्द जिनसे किसी व्यक्ति या वस्तु के समूह होने का बोध होता है, उनको समूहवाचक संज्ञा कहते हैं। जैसे-मेला, झुड, परिवार, सेना, दल आदि।

(5) **द्रव्यवाचक संज्ञा**–वह शब्द जो किसी तरल, ठोस, अधातु, धातु पदार्थ, द्रव्य आदि का बोध कराते हों, उन्हें द्रव्यवाचक संज्ञा कहते हैं। उदाहरण–दूध, तेल, घी, पीतल, ताँबा, धुँआ आदि।

**घ. निम्न शब्दों के अर्थ लिखिए–**

1. दुश्मनी, 2. व्यावहारिक रूप में होने की स्थिति 3. शिशु संबंधी

4. भाई 5. इंसानियत

**ङ. निम्न शब्दों को शुद्ध करके पुनः लिखिए –**

1. बगावत 2. क्षेत्रीयता 3. मनुष्य

4. महिला 5. पुरुष

## पाठ–5 : लिंग

खण्ड 'क'

**क. सही विकल्प पर सही '✓' का चिह्न लगाइए–**

1. लिंग
2. दो
3. स्त्री जाति का बोध होता है
4. गधा बोझा ढो रहा है।
5. पुल्लिंग का बोध होता है।
6. पुल्लिंग का
7. पुल्लिंग
8. रानी
9. बुद्धिमान
10. छिपाव, भराव

**ख. इनका सही मिलान कीजिए–**

| अ | ब |
|---|---|
| श्रीमान् | श्रीमती |
| वृद्ध | वृद्धा |
| कवि | कवयित्री |
| गायक | गायिका |
| नायक | नायिका |
| पुत्र | पुत्री |
| दास | दासी |
| देवर | देवरानी |

**ग. निम्नलिखित अधूरे वाक्यों को कोष्ठक में दिये गये शब्दों के लिंग बदलकर पूरे कीजिए-**

| | | |
|---|---|---|
| 1. मामा | 2. अध्यापक | 3. शेरनी |
| 4. मालिन | 5. पेंसिल | 6. हाथी |
| 7. मामा जी | 8. गाय | 9. कुत्ता |
| 10. मोर | | |

**घ. सत्य/असत्य लिखिए-**

| | | |
|---|---|---|
| 1. सत्य | 2. असत्य | 3. असत्य |
| 4. असत्य | 5. सत्य | 6. असत्य |

खण्ड 'ख'

**क. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक-एक पंक्ति में लिखिए।-**

1. शब्द के जिस रूप से यह बोध हो कि वह पुरुष जाति का है अथवा स्त्री जाति का, उसे लिंग कहते हैं। जैसे-लड़का, लड़की, बालक, बालिका, मेज, स्टूल आदि।
2. लिंग दो प्रकार के होते हैं-पुल्लिंग, स्त्रीलिंग।
3. जो संज्ञा शब्द किसी स्त्री जाति का बोध कराते हैं, वे शब्द स्त्रीलिंग कहलाते हैं। जैसे-लड़की, कुर्सी, गाय, पेंसिल आदि।
4. पुल्लिंग शब्दों के चार उदाहरण-लड़का, आदमी, कुत्ता, छात्र।
5. चुहिया।
6. 'चारपाई' स्त्रीलिंग है।
7. नर कोयल।

**ख. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर पाँच से छः पंक्तियों में लिखिए-**

1. शब्द के जिस रूप से यह बोध हो कि वह पुरुष जाति का है अथवा स्त्री जाति का, उसे लिंग कहते हैं। जैसे-लड़का, लड़की, बालक, बालिका, मेज, स्टूल आदि।

   **स्त्रीलिंग** -जो संज्ञा शब्द किसी स्त्री जाति का बोध कराते हैं, वे शब्द स्त्रीलिंग कहलाते हैं। जैसे-लड़की, कुर्सी, गाय, पेंसिल, माता।
2. जो संज्ञा शब्द किसी पुरुष जाति का बोध कराते हैं, वे शब्द पुल्लिंग कहलाते हैं। जैसे-लड़का, बैल, पिता ।

3. **स्त्रीलिंग** –जो संज्ञा शब्द किसी स्त्री जाति का बोध कराते हैं, वे शब्द स्त्रीलिंग कहलाते हैं। जैसे–लड़की, माता, दादी।

4. **पुल्लिंग**–जो संज्ञा शब्द किसी पुरुष जाति का बोध कराते हैं, वे शब्द पुल्लिंग कहलाते हैं। जैसे–लड़का, बैल, पिता आदि।

   **स्त्रीलिंग** –जो संज्ञा शब्द किसी स्त्री जाति का बोध कराते हैं, वे शब्द स्त्रीलिंग कहलाते हैं। जैसे–लड़की, कुर्सी, गाय, पेंसिल आदि।

5.

| स्त्रीलिंग | पुल्लिंग |
|---|---|
| छात्रा | छात्र |
| अध्यापिका | अध्यापक |
| मोरनी | मोर |
| मामी | मामा |
| हथिनी | हाथी |
| शेरनी | शेर |
| गाय | बैल |

6. अँगुली, अँगूठी, पुस्तक, लीची, जलेबी, हींग, गिलहरी, मैना, गंगा, आदि।

**ग. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर आठ से दस पंक्तियों में लिखिए –**

1. पुल्लिंग – जो संज्ञा शब्द किसी पुरुष जाति का बोध कराते हैं, वे शब्द पुल्लिंग कहलाते हैं। जैसे–लड़का, बैल, पिता, मोर, हाथी आदि।

2. **स्त्रीलिंग** –जो संज्ञा शब्द किसी स्त्री जाति का बोध कराते हैं, वे शब्द स्त्रीलिंग कहलाते हैं। जैसे–लड़की, कुर्सी, गाय, पेंसिल, माता आदि।

3. लिंग के दो प्रकार हैं – 1. स्त्रीलिंग, 2. पुल्लिंग

   1. पुल्लिंग – जो संज्ञा शब्द किसी पुरुष जाति का बोध कराते हैं, वे शब्द पुल्लिंग कहलाते हैं। जैसे–लड़का, बैल, पिता, मोर हाथी आदि।

   2. **स्त्रीलिंग** –जो संज्ञा शब्द किसी स्त्री जाति का बोध कराते हैं, वे शब्द स्त्रीलिंग कहलाते हैं। जैसे–लड़की, कुर्सी, गाय, पेंसिल, माता आदि।

**घ. इन शब्दों के अर्थ लिखिए–**

1. स्त्री जाति से संबंधित 2. पुरुष 3. शोभा
4. लिखने का ढंग 5. नवयुवती 6. शरण में आया हुआ
7. हाथ की लिखावट 8. मृगतृष्णा

**ङ. निम्नलिखित वाक्यों के लिंग बदलकर पुनः लिखिए –**

1. लड़की गाना गा रही है।
2. मोर नाच रहा है।
3. रानी अभी दरबार में नहीं गयी है।
4. चूहा बिल में चला गया।
5. शेरनी दहाड़ रही है।
6. चिड़ा दाना चुगने गया है।

## पाठ–6 : वचन

खण्ड 'क'

**क. सही विकल्प पर सही '✓' का चिह्न लगाइए–**

| | | |
|---|---|---|
| 1. घोड़ा | 2. 2 | 3. बहुवचन |
| 4. मेजें | 5. आदर के लिए | 6. जनता |
| 7. एक या अनेक का बोध कराने वाले शब्द | | |
| 8. बच्चे खाना खा रहे हैं। | 9. संज्ञा शब्दों से | 10. बहुवचन |

**ख. इनका सही मिलान कीजिए–**

| | |
|---|---|
| तितली | तितलियाँ |
| गाड़ी | गाड़ियाँ |
| लड़की | लड़कियाँ |
| कली | कलियाँ |

**ग. सत्य/असत्य लिखिए–**

| | | |
|---|---|---|
| 1. असत्य | 2. असत्य | 3. सत्य |
| 4. सत्य | | |

खण्ड 'ख'

**क. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक–एक पंक्ति में लिखिए।–**

1. सड़क
2. बहुवचन में अनेक संख्याओं का बोध होता है।

3. अकारांत स्त्रीलिंग शब्दों के अंतिम 'अ' को 'एँ' कर देने से एकवचन शब्द बहुवचन शब्द बन जाते हैं। उदाहरण–आँख–आँखें।
4. छात्राएँ।
5. चूहा पिंजरे में फँस गया।
6. वचन दो प्रकार के होते हैं।
7. नगरों।

**ख. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर पाँच से छः पंक्तियों में लिखिए–**

1. किसी व्यक्ति, वस्तु अथवा प्राणी की संख्या का बोध कराने वाले शब्द वचन कहलाते हैं तथा ये दो प्रकार के होते हैं– 1. एकवचन, 2. बहुवचन।
2. एकवचन–जिन शब्दों से हमें किसी व्यक्ति, वस्तु अथवा प्राणी के संख्या में 'एक' होने का बोध होता है, उन्हें एकवचन कहते हैं।
   उदाहरण–पुस्तक, मछली, कली, चप्पल आदि।
3. बहुवचन–जिन शब्दों से हमें किसी व्यक्ति, वस्तु अथवा प्राणी के संख्या में 'अनेक' होने का बोध होता है, उन्हें बहुवचन कहते हैं।
   उदाहरण–पुस्तकें, मछलियाँ, चप्पलें।
4.
5. एकवचन के बहुवचन बनाने के दो नियम निम्नलिखित हैं –
   (i) अकारांत स्त्रीलिंग शब्दों के अंतिम 'अ' को 'एँ' कर देने से एकवचन शब्द बहुवचन शब्द बन जाते हैं। उदाहरण–आँख–आँखें।
   (ii) आकारांत स्त्रीलिंग शब्दों के अंतिम 'आ' के आगे लगा देने से शब्द बहुवचन शब्द बन जाते हैं। उदाहरण – कन्या – कन्याएँ।

**ग. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर आठ से दस पंक्तियों में लिखिए –**

1. एकवचन–जिन शब्दों से हमें किसी व्यक्ति, वस्तु अथवा प्राणी के संख्या में 'एक' होने का बोध होता है, उन्हें एकवचन कहते हैं।
2. बहुवचन–जिन शब्दों से हमें किसी व्यक्ति, वस्तु अथवा प्राणी के संख्या में 'अनेक' होने का बोध होता है, उन्हें बहुवचन कहते हैं।

**घ. इन शब्दों के अर्थ लिखिए–**

| | | |
|---|---|---|
| 1. शिक्षक | 2. सेना | 3. अलमारी |
| 4. नगर | 5. माला | 6. घर |

**ङ. इन वाक्यों के वचन बदलकर पुनः लिखिए –**

1. मोर नाच रहे हैं।
2. हम पानी पी रहे हैं।
3. वे गाना गा रही हैं।
4. वह कल जाएगा।
5. ये कुर्सियाँ साफ–सुथरी हैं।

## अभ्यास प्रश्न–पत्र 1

**क. सही विकल्प पर सही '✓' का चिह्न लगाइए–**

1. हिन्दी व संस्कृत भाषा की

| | |
|---|---|
| 2. आखेटक | 3. ताँबा |
| 4. संज्ञा | 5. गधा बोझ ढो रहा है |

**ख. इनका सही मिलान कीजिए–**

| अ | ब |
|---|---|
| कन्नड़ | कर्नाटक की मुख्य भाषा |
| 'ओर' शब्द में प्रयोग मात्रा | 'ो' |
| अच्छा–बुरा, अधिक–कम | विलोम शब्द हैं |
| मोटा | मोटाई |
| श्रीमान | श्रीमती |
| 'मेज' का बहुवचन | मेजें |

**ग. उचित शब्द छाँटकर खाली स्थान भरिये–**

| | |
|---|---|
| 1. भारतीय, | 2. स्वरों |
| 3. पुलिस | 4. कायरता |
| 5. आँख | |

**घ. सत्य/असत्य लिखिए–**

| | |
|---|---|
| 1. असत्य | 2. सत्य |
| 3. असत्य | 4. सत्य |
| 5. असत्य | |

## पाठ–7 : सर्वनाम

खण्ड 'क'

**क. सही विकल्प पर सही '✓' का चिह्न लगाइए–**

1. कोई 2. पुरुषवाचक सर्वनाम 3. पुरुषवाचक सर्वनाम
4. आप में 5. मुझमें 6. पुरुषवाचक
7. प्रश्नवाचक सर्वनाम 8. संज्ञा के स्थान पर बोले जाने वाले शब्द
9. जैसा करोगे वैसा भरोगे 10. छः प्रकार के

**ख. इनका सही मिलान कीजिए–**

| क | ख |
|---|---|
| संबंधसूचक | जैसा, वैसा |
| निश्चयसूचक | यह, ये |
| प्रश्नसूचक | कौन, किसने |
| पुरुषसूचक | मैं, तुम, वे |

**ग. खाली स्थानों में निम्नलिखित शब्दों को उचित रूप से भरिए–**

1. ये 2. कुछ 3. कोई
4. मैंने 5. वैसा

**घ. सत्य/असत्य लिखिए–**

1. सत्य 2. असत्य 3.
4. सत्य

खण्ड 'ख'

**क. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक–एक पंक्ति में लिखिए।–**

1. संज्ञा के स्थान पर बोले जाने वाले शब्दों को सर्वनाम कहते हैं।
2. सर्वनाम के निम्न छः भेद हैं–
   1. पुरुषवाचक सर्वनाम 2. निश्चयवाचक सर्वनाम
   3. अनिश्चयवाचक सर्वनाम 4. प्रश्नवाचक सर्वनाम
   5. संबंधवाचक सर्वनाम 6. निजवाचक सर्वनाम
3. 'मैं', 'आप', 'वह', आदि शब्द पुरुषवाचक सर्वनाम हैं।

4. 'हम अपने कार्य को स्वयं करने के लिए' जिस सर्वनाम का प्रयोग करते हैं उस सर्वनाम के प्रकार का नाम है–निजवाचक सर्वनाम।
5. संज्ञा के स्थान पर बोले जाने वाले शब्द सर्वनाम कहलाते हैं।

**ख. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर पाँच से छः पंक्तियों में लिखिए–**

1. संज्ञा के स्थान पर बोले जाने वाले शब्दों को सर्वनाम कहते हैं।
   सर्वनाम के निम्न छः प्रकार हैं–

   | | |
   |---|---|
   | 1. पुरुषवाचक सर्वनाम | 2. निश्चयवाचक सर्वनाम |
   | 3. अनिश्चयवाचक सर्वनाम | 4. प्रश्नवाचक सर्वनाम |
   | 5. संबंधवाचक सर्वनाम | 6. निजवाचक सर्वनाम |

2. किसी वस्तु, व्यक्ति, स्थान, गुण आदि के नाम को संज्ञा कहते हैं। जबकि सर्वनाम किसी संज्ञा के स्थान पर प्रयोग होने वाला शब्द होता है।
3. जो सर्वनाम शब्द स्वयं के लिए प्रयोग होते हैं, निजवाचक सर्वनाम कहलाते हैं। जैसे–स्वयं, अपना, अपने–आप आदि।
4. प्रश्नवाचक सर्वनाम कौन, क्या, किसने, कहाँ आदि हैं।
   वाक्य प्रयोग– कौन–बाहर कौन खड़ा है ?
   क्या–खाने में क्या बनाया है ?
   किसने–मेरी पेंसिल किसने लीं ?
   कहाँ – तुम कहाँ जा रहे हों?
5. जिन सर्वनाम शब्दों से किसी निश्चित व्यक्ति अथवा वस्तु की ओर निकटवर्ती अथवा दूरवर्ती संकेत का बोध होता है, उन्हें निश्चयवाचक सर्वनाम कहते हैं। इसके अंतर्गत यह, वह, इस, उस, ये, वे इत्यादि सर्वनाम शब्द आते हैं।
6. अनिश्चयवाचक सर्वनाम – जिस सर्वनाम से किसी निश्चित व्यक्ति या पदार्थ का बोध नहीं होता, उसे अनिश्चयवाचक सर्वनाम कहते हैं। जैसे–कुछ, कोई आदि।
   निश्चयवाचक सर्वनाम – जिन सर्वनाम शब्दों से किसी निश्चित व्यक्ति अथवा वस्तु की ओर निकटवर्ती अथवा दूरवर्ती संकेत का बोध होता है, उन्हें निश्चयवाचक सर्वनाम कहते हैं। इसके अंतर्गत यह, वह, इस, उस, ये, वे इत्यादि सर्वनाम शब्द आते हैं।

ग. **निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर आठ से दस पंक्तियों में लिखिए -**

1. पुरुषवाचक सर्वनाम-जिन सर्वनाम शब्दों का प्रयोग बोलने वाला, स्वयं सुनने, वाले तथा तीसरे व्यक्ति के लिए करता है, उन्हें पुरुषवाचक सर्वनाम कहते हैं। उदाहरण-मैं, मुझे, मेरा, तू, तुझे, तेरा, वह उसे, उन्हें आदि।

2. (i) पुरुषवाचक सर्वनाम-जिन सर्वनाम शब्दों का प्रयोग बोलने वाला, स्वयं सुनने, वाले तथा तीसरे व्यक्ति के लिए करता है, उन्हें पुरुषवाचक सर्वनाम कहते हैं। उदाहरण-मैं, मुझे, मेरा, तू, तुझे, तेरा, वह उसे, उन्हें आदि।

   (ii) अनिश्चयवाचक सर्वनाम - जिस सर्वनाम से किसी निश्चित व्यक्ति या पदार्थ का बोध नहीं होता, उसे अनिश्चयवाचक सर्वनाम कहते हैं। जैसे-कुछ, कोई आदि।

   (iii) निश्चयवाचक सर्वनाम - जिन सर्वनाम शब्दों से किसी निश्चित व्यक्ति अथवा वस्तु की ओर निकटवर्ती अथवा दूरवर्ती संकेत का बोध होता है, उन्हें निश्चयवाचक सर्वनाम कहते हैं। इसके अंतर्गत यह, वह, इस, उस, ये, वे इत्यादि सर्वनाम शब्द आते हैं।

(iv) प्रश्नवाचक सर्वनाम - जिन सर्वनाम शब्दों का प्रयोग करके किसी व्यक्ति, स्थान, वस्तु इत्यादि के बारे में प्रश्न पूछा जाता है, उसे प्रश्नवाचक सर्वनाम कहते हैं। जैसे- किसका, क्या, किसने आदि।

(v) संबंधवाचक सर्वनाम - जो सर्वनाम शब्द वाक्य के अन्य शब्दों से संबंध बताते हैं, वे संबंधवाचक सर्वनाम कहलाते हैं। जैसे - जैसा-वैसा, जितनी-उतनी आदि।

(vi) निजवाचक सर्वनाम - जो सर्वनाम शब्द स्वयं के लिए प्रयोग होते हैं, निजवाचक सर्वनाम कहलाते हैं। जैसे-स्वयं, अपना, अपने-आप आदि।

3. अनिश्चयवाचक सर्वनाम - जिस सर्वनाम से किसी निश्चित व्यक्ति या पदार्थ का बोध नहीं होता, उसे अनिश्चयवाचक सर्वनाम कहते हैं। जैसे-कुछ, कोई आदि। उदाहरण- बाहर कोई खड़ा है। दूध में कुछ गिर गया। कोई भी बात नहीं करेगा।

   निश्चयवाचक सर्वनाम - जिन सर्वनाम शब्दों से किसी निश्चित व्यक्ति अथवा वस्तु की ओर निकटवर्ती अथवा दूरवर्ती संकेत का बोध होता है, उन्हें निश्चयवाचक सर्वनाम कहते हैं। इसके अंतर्गत यह, वह, इस, उस, ये, वे

इत्यादि सर्वनाम शब्द आते हैं। उदाहरण–यह मेरा घर है। वह मेरा भाई है। ये दीपा की किताबें हैं।

4. वाक्य प्रयोग–

कौन–बाहर कौन खड़ा है ? क्या–खाने में क्या बनाया है ?

किसने–मेरी पेंसिल किसने लीं ? कहाँ – तुम कहाँ जा रहे हों?

**घ. इन शब्दों के अर्थ लिखिए–**

1. अपने आप 2. प्रश्न से संबंधित

3. सबसे अच्छा, प्रधान 4. मध्य का, बीच का

**ङ. निम्नलिखित को शुद्ध करके पुनः लिखिए –**

1. वह स्कूल जा रहा है।
2. मैं खाना खा रहा हूँ।
3. दरवाजे पर कौन खड़ा है?
4. यह अखबार किसे चाहिए ?
5. अपना घर किसको प्यारा नहीं लगता।

## पाठ–8 : कारक

खण्ड 'क'

**क. सही विकल्प पर सही '✓' का चिह्न लगाइए–**

1. आठ 2. कर्ता कारक कहते हैं

3. कर्ता

4. अपादान कारक का प्रयोग होता है

5. कर्ता कारक 6. करण कारक

7. वस्तु से संबंध प्रकट होने का 8. अधिकरण कारक

9. का, की, के 10. संबोधन कारक का

**ख. इनका सही मिलान कीजिए–**

| **कारक** | **कारक-चिह्न** |
|---|---|
| अपादान | से अलग होने का भाव |
| कर्म | को |
| संबोधन | हे !, अरे ! |

| | |
|---|---|
| संबंध | का, की, के |
| करण | से (साधन) |
| कर्ता | ने |

**ग. निम्नलिखित वाक्यों में दिए गए रिक्त स्थानों में उचित कारक चिह्न लिखिए–**

| | | |
|---|---|---|
| 1. से | 2. पर | 3. ने |
| 4. का | 5. की, का | 6. ने, को, से |
| 7. में | | |

**घ. सत्य/असत्य लिखिए–**

| | | |
|---|---|---|
| 1. असत्य | 2. सत्य | 3. असत्य |
| 4. असत्य | 5. सत्य | |

खण्ड 'ख'

**क. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक-एक पंक्ति में लिखिए।–**

1. कारकों को प्रकट करने वाले चिह्नों को विभक्ति चिह्न कहते हैं। जैसे–ने, को, से आदि चिह्न।
2. कर्ता कारक क्रिया (काम) करता है।
3. कर्ता कारक में हम 'ने' का प्रयोग करते हैं।
4. पेड़ से पत्ता गिरा।
5. अपादान कारक।
6. कारक चिह्न कुल आठ प्रकार के होते हैं।.

**ख. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर पाँच से छः पंक्तियों में लिखिए–**

1. संज्ञा या सर्वनाम के जिस रूप से उसका संबंध वाक्य में आए अन्य सभी शब्दों से जाना जाए, उसे कारक कहते हैं।
2. जिसको कुछ दिया जाए अथवा जिसके लिए कुछ काम किया जाए, उसे व्यक्त करने वाले रूप को संप्रदान कारक कहते हैं। इसका विभक्ति चिह्न 'के लिए' है।
3. कारकों को प्रकट करने वाले चिह्नों को विभक्ति चिह्न कहते हैं। जैसे–ने, को, से आदि चिह्न।

| क्रम | कारक | चिह्न |
|---|---|---|
| 1. | कर्ता | ने |
| 2. | कर्म | को |
| 3. | करण | से |
| 4. | संप्रदान | को, के लिए |
| 5. | अपादान | से |
| 6. | संबंध | का, की, के |
| 7. | अधिकरण | में, पर |
| 8. | संबोधन | हे !, अरे ! |

4. कारक आठ प्रकार के होते हैं।

(i) कर्ता कारक (ii) कर्म कारक (iii)करण कारक

(iv) संप्रदान कारक (v) अपादान कारक (vi) संबंध कारक

(vii) अधिकरण कारक (viii) संबोधन कारक

**ग. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर आठ से दस पंक्तियों में लिखिए –**

1. संज्ञा या सर्वनाम के जिस रूप से उसका संबंध वाक्य में आए अन्य सभी शब्दों से जाना जाए, उसे कारक कहते हैं।

(i) कर्ता कारक – विभक्ति चिह्न 'ने'

उदाहरण – राम ने रावण को मारा।

(ii) कर्म कारक – विभक्ति चिह्न 'को'

उदाहरण – गाय ने बछड़े को दूध पिलाया।

(iii) करण कारक – विभक्ति चिह्न 'से'

उदाहरण – बच्चे गेंद से खेल रहे हैं।

(iv) संप्रदान कारक – विभक्ति चिह्न 'के लिए'

उदाहरण – माँ ने अपने लिए नया सूट खरीदा।

(v) अपादान कारक – विभक्ति चिह्न 'से'

उदाहरण – मेरे हाथ से दूध गिर गया।

(vi) संबंध कारक – विभक्ति चिह्न – 'का, की, के'

उदाहरण – यह रवि का घर है।

(vii) अधिकरण कारक – विभक्ति चिह्न –में, पर

उदाहरण – छत पर मेहमान बैठे हैं।

(viii) संबोधन कारक – विभक्ति चिह्न – अरे ! , हे !, ऐ !

उदाहरण – ऐ लड़के ! कहाँ जा रहे हो ?

2. कर्ता कारक – क्रिया करने वाले को कर्ता कहते हैं। संज्ञा या सर्वनाम के जिस रूप में कार्य (क्रिया) करने वाले का बोध होता है अर्थात् कार्य जिसके द्वारा प्रभावित हो, उसे कर्ता कारक कहते हैं। इसका विभक्ति चिह्न 'ने' है। जैसे – रवि ने गाना गाया।

कर्म कारक – क्रिया के कार्य का फल जिस व्यक्ति/प्राणी या वस्तु पर पड़ता है, उसे कर्म कारक कहते हैं। इसका विभक्ति चिह्न ' को' है।

जैसे – श्याम ने मोहन को पीटा।

करण कारक – संज्ञा के जिस रूप से क्रिया के उपकरण या साधन का बोध हो, अर्थात् जिसके द्वारा क्रिया की जाए, वह करण कारक कहलाता है। इसका विभक्ति चिह्न 'से', 'के द्वारा' है।

उदाहरण – कृषांत चम्मच से खाना खा रहा है।

संप्रदान कारक – जिसको कुछ दिया जाए अथवा जिसके लिए कुछ काम किया जाए, उसे व्यक्त करने वाले रूप को संप्रदान कारक कहते हैं। इसका विभक्ति चिह्न 'के लिए' हैं।

उदाहरण – 1. राम ने श्याम के लिए कुछ धन दिया।

अपादान कारक – संज्ञा या सर्वनाम के जिस रूप से एक वस्तु का, दूसरे से अलग होना (पृथक् होना) अथवा तुलना करना जाना जाए उसे अपादान कारक कहते हैं। इसका विभक्ति चिह्न 'से' है।

उदाहरण – 1. वृक्ष से पत्ता गिरा।

संबंध कारक – संज्ञा या सर्वनाम के जिस रूप से किसी व्यक्ति या वस्तु का दूसरे से संबंध प्रकट हो, उसे संबंध कारक कहते हैं। संबंध कारक दो संज्ञाओं के मध्य का संबंध बताता है।

उदाहरण– 1. यह रवि का कमरा है ।

अधिकरण कारक – संज्ञा या सर्वनाम शब्द के जिस रूप से क्रिया के होने के स्थान या आधार का बोध हो, उसे अधिकरण कारक कहते हैं। इसका विभक्ति चिह्न 'में, पर' है।

उदाहरण – चिड़िया घोंसलें में बैठी है।

संबोधन कारक – जिस संज्ञा या सर्वनाम से किसी के पुकारे जाने का बोध हो, उसे संबोधन कारक कहते हैं। इसका संबोधन चिह्न (!) लगाया जाता है। उदाहरण – हे राम! यह क्या हुआ?

3. कर्ता कारक – क्रिया करने वाले को कर्ता कहते हैं। संज्ञा या सर्वनाम के जिस रूप में कार्य (क्रिया) करने वाले का बोध होता है अर्थात् कार्य जिसके द्वारा प्रभावित हो, उसे कर्ता कारक कहते हैं। इसका विभक्ति चिह्न 'ने' है। जैसे – रवि ने गाना गाया।

   कर्म कारक – क्रिया के कार्य का फल जिस व्यक्ति/प्राणी या वस्तु पर पड़ता है, उसे कर्म कारक कहते हैं। इसका विभक्ति चिह्न ' को' है।

   जैसे – श्याम ने मोहन को पीटा।

4. अधिकरण कारक – संज्ञा या सर्वनाम शब्द के जिस रूप से क्रिया के होने के स्थान या आधार का बोध हो, उसे अधिकरण कारक कहते हैं। इसका विभक्ति चिह्न 'में, पर' है।

   उदाहरण – चिड़िया घोंसलें में बैठी है।

**घ. इन शब्दों के अर्थ या संक्षिप्त परिभाषा लिखिए–**

1. संबंध का बोध कराने वाला
2. हटाना
3. जरिया
4. दान देने का भाव
5. कथा, वृत्तांत
6. विभाग

**ङ. इन वाक्यों को शुद्ध करके पुनः लिखिए –**

1. पेड़ पर बंदर बैठा है।
2. वर्णिका टब में नहा रही है।
3. कृतिका ने गाना गाया।
4. रवेंद्र बाजार से फल लाया।

## पाठ–9 : विशेषण

खण्ड 'क'

**क. सही विकल्प पर सही '✓' का चिह्न लगाइए–**

1. विशेषण
2. परिमाणवाचक
3. विशेष्य
4. संख्यावाचक
5. गुणवाचक विशेषण
6. अनेक

| | |
|---|---|
| 7. | 8. परिमाणवाचक विशेषण |
| 9. चार | 10. विशेषण |

**ख. इनका सही मिलान कीजिए–**

| अ | ब |
|---|---|
| स्थान | ऊपर, नीचे, भीतर |
| आकार | चौड़ा, लम्बा, बड़ा |
| रंग | हरा, नीला, काला |
| गुण–दोष | ईमानदार, मेहनती |
| स्वाद | खट्टा, मीठा, कड़वा |

**ग. रंगीन विशेषण शब्द के भेद लिखिए–**

| | | |
|---|---|---|
| 1. गुणवाचक विशेषण | 2. प्रविशेषण | 3. गुणवाचक विशेषण |
| 4. संख्यावाचक विशेषण | 5. प्रविशेषण | |

**घ. विशेषण तथा विशेष्य शब्द छाँटकर अलग–अलग शीर्षक के नीचे लिखिए–**

| **विशेषण** | **विशेष्य** | **विशेषण** | **विशेष्य** |
|---|---|---|---|
| **1. पचास** | **सेब** | **2. खाली** | **कमरा** |
| **3. मोटा** | **लड़का** | **4. सुंदर** | **लड़की** |
| **5. खोटा** | **सिक्का** | | |

खण्ड 'ख'

**क. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक–एक पंक्ति में लिखिए।–**

1. सफेद
2. शाकाहारी
4. विशेषण संज्ञा या सर्वनाम की विशेषता बताते हैं।
5. काला, पहला, थोड़ा, पढ़ाकू, दो मीटर
6. 'हरी घास' में हरी विशेषण है।
7. 'बहुत मीठी चाय' में विशेष्य चाय है।
8. 'हम सदैव खाकी वर्दी पहनते हैं।' इस वाक्य में खाकी गुणवाचक विशेषता है।
9. 'राजेश ने कल गरम–गरम जलेबी खाई।' इस वाक्य में विशेषण गरम–गरम है।

**ख. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर पाँच से छः पंक्तियों में लिखिए–**

1. जो शब्द संज्ञा या सर्वनाम की विशेषता का बोध कराते हैं, वे विशेषण कहलाते हैं। जैसे–काला, मीठा, लंबा, ऊँचा आदि।
2. विशेषण – जो शब्द संज्ञा या सर्वनाम की विशेषता का बोध कराते हैं, वे विशेषण कहलाते हैं। जैसे–काला, मीठा, लंबा, ऊँचा आदि।

   विशेष्य – जिन संज्ञा शब्दों की विशेषता बताई जाती है, वे शब्द विशेष्य कहलाते हैं।

   जैसे–सुंदर फूल, मीठी जलेबी, तीन लीटर दूध आदि।
3. विशेष्य – जिन संज्ञा शब्दों की विशेषता बताई जाती है, वे शब्द विशेष्य कहलाते हैं।

   जैसे–सुंदर फूल, मीठी जलेबी, तीन लीटर दूध आदि।
4. **संख्यावाचक विशेषण** –जो विशेषण शब्द किसी वस्तु की संख्या का बोध कराते हैं, वे संख्यावाचक विशेषण कहलाते हैं। उदाहरण के लिए–

   दो मेज, थोड़ा दूध, कई लड़के।

   **परिमाणवाचक विशेषण** – जो विशेषण शब्द किसी वस्तु की मात्रा या नाप–तौल का बोध कराते हैं, वे परिमाणवाचक विशेषण कहलाते हैं। उदाहरण के लिए–

   पाँच किलो आलू, दो लीटर तेल, कुछ अनाज
5. गुणवाचक विशेषण छः प्रकारों के गुण अथवा दोषों में विभाजित है–

   1. समय या काल 2. स्थान 3. आकार

   4. रंग 5. दशा 6. गुण।

**ग. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर आठ से दस पंक्तियों में लिखिए –**

1. जो शब्द संज्ञा या सर्वनाम की विशेषता का बोध कराते हैं, वे विशेषण कहलाते हैं। विशेषण चार प्रकार के होते हैं– (i) गुण वाचक विशेषण (ii) संख्या वाचक विशेषण (iii) परिमाण वाचक विशेषण (iv) संकेत वाचक विशेषण
2. **गुणवाचक विशेषण** – जो विशेषण शब्द विशेष्य के गुण–दोष आदि का बोध कराते हैं, वे गुणवाचक विशेषण कहलाते हैं।

   ये विशेषण किसी संज्ञा या सर्वनाम शब्द के रंग–रूप, गुण–दोष, आकार, स्थान, काल, स्वाद, स्वभाव, गंध आदि से संबंधित विशेषता का बोध कराते हैं।

**परिमाणवाचक विशेषण** – जो विशेषण शब्द किसी वस्तु की मात्रा या नाप-तौल का बोध कराते हैं, वे परिमाणवाचक विशेषण कहलाते हैं। उदाहरण के लिए देखिए-

पाँच किलो आलू, दो लीटर तेल, कुछ अनाज आदि।

3. (i) कक्षा में चालीस विद्‌यार्थी पढ़ रहे हैं।

   (ii) मेरे परिवार में ग्यारह सदस्य हैं।

   (iii) पिता जी ने मुझे कुछ रुपए दिये थे।

   (iv) सड़क पर अनेकों लोग चल रहे थे।

   (v) हमें प्रतिदिन एक सेब खाना चाहिए।

4. निश्चित संख्यावाचक विशेषण – ऐसे विशेषण जो हमें किसी भी संज्ञा या सर्वनाम की निश्चित संख्या का बोध कराए वे निश्चित संख्यावाचक विशेषण कहलाते हैं। जैसे- चार बच्चे, दस केले, बारह पेड़ आदि।

   अनिश्चित संख्यावाचक विशेषण – ऐसे विशेषण जो संज्ञा या सर्वनाम की निश्चित संख्या का बोध नहीं कराते, उन्हें अनिश्चित संख्यावाचक विशेषण कहते हैं। जैसे – कुछ लोग, अनेक उपहार, थोड़े फल आदि।

5. विशेषण – जो शब्द संज्ञा या सर्वनाम की विशेषता का बोध कराते हैं, वे विशेषण कहलाते हैं। जैसे-काला, मीठा, लंबा, ऊँचा आदि।

   विशेष्य – जिन संज्ञा शब्दों की विशेषता बताई जाती है, वे शब्द विशेष्य कहलाते हैं। जैसे – सुंदर **फल**, मीठी **जलेबी**, तीन लीटर **दूध** आदि।

**घ. इन शब्दों के अर्थ लिखिए-**

1. कमजोर 2. हठ (जिद्) करने की क्रिया

3. गूँगा बहरा

**ङ. निम्नलिखित को शुद्ध करके पुनः लिखिए –**

1. अवनीश ने सफेद शर्ट पहनी है।
2. काली कोयल मीठा गाती है।
3. भूरा कुत्ता तालाब में तैर रहा है।
4. मुझे मीठे आम पसंद हैं।

## पाठ–10 : क्रिया

### खण्ड 'क'

**क. सही विकल्प पर सही '✓' का चिह्न लगाइए–**

1. क्रिया शब्द

2. दो प्रकार की होती हैं

3. जिन शब्दों से कार्य करने या होने का बोध हो

4. कर्म के आधार पर वर्गीकृत है।

5. सकर्मक क्रिया 6. सकर्मक क्रिया

7. धातु 8. अकर्मक क्रिया कहते हैं

9. पुस्तक 10. पीट

**ख. वाक्यों से क्रिया शब्द छाँटकर खाली स्थान पर लिखिए–**

1. घूम रहा है। 2. पढ़ रहा हूँ। 3. निकलता है।

4. बोलना 5. आदर करना 6. उड़ रहे हैं।

**ग. इनका सही मिलान कीजिए–**

| | |
|---|---|
| आ | आना |
| जा | जाना |
| पा | पाना |
| खा | खाना |
| पी | पीना |

**घ. निम्नलिखित धातुओं को सामान्य क्रिया में बदलकर उन्हें अपने वाक्यों में प्रयोग कीजिए –**

1. चल (चलना) – स्कूल जाने के लिए मुझे बहुत चलना पड़ता है।
2. नहा (नहाना) – रवि को ठंड में नहाना नहीं पसंद।
3. पी (पीना) – हमें दिन में आठ–दस गिलास पानी पीना चाहिए।
4. दे (देना) – तुम्हें उसके सवाल का जबाब समय पर देना चाहिए।
5. पढ़ (पढ़ना) – हमें रोज पढ़ना चाहिए।
6. जा (जाना) – पिताजी सुबह जल्दी ऑफिस जाना पड़ा।
7. खोद (खोदना) – मजदूरों ने दस दिन में सुरंग खोद डाली।

8. टहल (टहलना) – हम सुबह टहलने के लिए पार्क जाते हैं।

9. जग (जगना) – हमें सुबह जल्दी जाना चाहिए।

10. सो (सोना) – हमें रात में जल्दी सोना चाहिए।

खण्ड 'ख'

**क. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक-एक पंक्ति में लिखिए।–**

1. जिस शब्द से किसी काम के करने या होने का बोध हो, उसे क्रिया कहते हैं।
2. क्रिया के दो भेद हैं–1. अकर्मक क्रिया, 2. सकर्मक क्रिया

   **अकर्मक क्रिया**–जिन क्रियाओं के काम का प्रभाव (फल) परोक्ष रूप से कर्ता पर पड़ता है, उन्हें आकर्मक क्रियाएँ कहते हैं।

   **सकर्मक क्रिया** –जिन क्रियाओं के कार्य का प्रभाव या फल सीधा कर्ता पर न पड़कर कर्म पर पड़ता है, उन्हें सकर्मक क्रियाएँ कहते हैं।
3. क्रिया के मूल रूप को धातु कहते हैं। जैसे–खाना, पीना, पढ़ना आदि क्रियाओं के धातु रूप हैं–खा, पी, पढ़।
4. **अकर्मक क्रिया**–जिन क्रियाओं के काम का प्रभाव (फल) परोक्ष रूप से कर्ता पर पड़ता है, उन्हें आकर्मक क्रियाएँ कहते हैं।

   उदाहरण– 1. लड़का सोता है। 2. राधा गाती है।
5. **सकर्मक क्रिया** –जिन क्रियाओं के कार्य का प्रभाव या फल सीधा कर्ता पर न पड़कर कर्म पर पड़ता है, उन्हें सकर्मक क्रियाएँ कहते हैं।

   उदाहरण– 1. महेश पत्र लिखता है। 2. रवि ने आम खरीदे।
6. कर्म के आधार पर क्रिया के दो भेद हैं–अकर्मक क्रिया, सकर्मक क्रिया।
7. अकर्मक क्रिया का प्रत्यक्ष प्रभाव कर्ता पर पड़ता है।
8. 'दिन निकल आया' में सकर्मक क्रिया का प्रयोग हुआ है।

**ख. इन वाक्यों को शुद्ध करके पुनः लिखिए–**

1. राम ने खाना खा लिया है।
2. राधिका रसोई में खाना बना रही है।
3. शेर दहाड़ कर रहा है।
4. शायद आज वर्षा होगी।

# पाठ–11 : काल

## खण्ड 'क'

**क. सही विकल्प पर सही '✓' का चिह्न लगाइए–**

1. समय    2. काल कहते हैं    3.तीन
4. काल का एक प्रकार    5. छः    6. भूतकाल का
7. भविष्य काल    8. वर्तमान काल    9. भविष्य काल
10. वर्तमान काल

**ख. खाली स्थान भरिए –**

1. भविष्यत् काल    2. वर्तमान काल    3. भूतकाल

**ग. वाक्यों को पढ़कर उनके सामने संबंधित काल लिखिए–**

1. भूतकाल    2. वर्तमान काल    3. भविष्यत् काल

**घ. नीचे दी हुई क्रियाओं को उनके संबंधित कालों के सामने लिखिए –**

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| **भूतकाल** | पढ़ा | लिखा | गाया | खा लिया |
| **भविष्यत काल** | पढ़ेगा | चलेगा | नाचेगा | दौड़ेगा |
| **वर्तमान काल** | नाचता है | खेलता हूँ | जा रहा हूँ | देख रहा हूँ |

**ङ. तीनों कालों से संबंधित दो–दो वाक्य लिखिए–**

वर्तमान काल –    1. राधा पढ़ने जाती है।
2. विराट कोहली क्रिकेट खेल रहा है।

भूतकाल –    1. रमेश मित्रों के साथ घूमने गया था।
2. मैंने कल एक फिल्म देखी।

भविष्य काल –    1. कल हम दिल्ली जाएँगे।
2. पिता जी आज देर से घर आएँगे।

## खण्ड 'ख'

**क. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक–एक पंक्ति में लिखिए।–**

1. काल के तीन भेद होते हैं।
2. काल के प्रत्येक भेद के नाम–1. वर्तमान काल, 2. भूतकाल, 3. भविष्यत काल।
3. वर्तमान काल से क्रिया का वर्तमान समय में होने का बोध होता है।

4. 'श्याम खाना खाएगा।' इस वाक्य में भविष्यत् काल का बोध हो रहा है।
5. 'वह बाजार जा रहा था।' इस वाक्य से काल के भूतकाल भेद का बोध होता है।
6. 'शायद आज वे अलीगढ़ जाएँ।' इस वाक्य में से संदिग्ध वर्तमान काल का बोध होता है।

**ख. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर पाँच से छः पंक्तियों में लिखिए-**

1. क्रिया के जिस रूप से काम के होने के समय पता चले, उसे काल कहते हैं।
   उदाहरणार्थ–1. चिंकी खाना खा रही है। 2. चिंकी को कल पुरस्कार मिला।
   3. चिंकी कल मुंबई जाएगी।
2. काल के तीन भेद हैं - (i) वर्तमान काल, (ii) भूतकाल, (iii) भविष्यत्काल

   **वर्तमान काल** - क्रिया का वह रूप, जिससे कार्य के वर्तमान में होने का पता चलता है, उसे वर्तमान काल कहते हैं।

   **उदाहरण**–1. श्याम बाजार जा रहा है। 2. बच्चे कबड्डी खेलते हैं।

   **भूतकाल**–काल में जिस रूप से ज्ञात हो कि कार्य समाप्त हो चुका है, उसे भूतकाल कहते हैं।

   **उदाहरण** - 1. वर्षा हुई थी। 2. मोहन खेल रहा था।

   **भविष्यत् काल** –क्रिया का वह रूप जिससे कार्य का भविष्य में होने का पता चले उसे भविष्यत् काल कहते हैं।

   **उदाहरण** –1. हम कल घूमने जाएँगे। 2. मैं समय पर घर पहुँच जाऊँगा।
3. **वर्तमान काल के भेद**– वर्तमान काल के पाँच भेद हैं -

   1. सामान्य वर्तमान काल –वह खाना खाता है।

   2. अपूर्ण वर्तमान काल – वह खाना खा रहा है।

   3. पूर्ण वर्तमान काल – वह खाना खा चुका है।

   4.संदिग्ध वर्तमान काल – वह खाना खाता होगा।

   5. संभाव्य वर्तमान काल– शायद वह खाना खाता हो।
4. **भूतकाल**–काल में जिस रूप से ज्ञात हो कि कार्य समाप्त हो चुका है, उसे भूतकाल कहते हैं।

   **उदाहरण** - 1. वर्षा हुई थी। 2. मोहन खेल रहा था।

**ग. इन शब्दों के अर्थ लिखिए –**

1. हो सकने योग्य
2. अधूरा
3. संदेहयुक्त
4. मामूली

**घ. इन वाक्यों को शुद्ध करके पुनः लिखिए–**

1. मैं इस घर से पिछले चार वर्षों से रह रहा हूँ।
2. यदि आज बरसात हुई तो उसमें मैं अवश्य नहाऊँगा।
3. पिछले शनिवार को मैं दिल्ली गया था।
4. रमेश आज बाजार गया होगा।

## पाठ–12 : क्रिया–विशेषण

खण्ड 'क'

**क. सही विकल्प पर सही '✓' का चिह्न लगाइए–**

1. चार
2. परिमाणवाचक
3. स्थानवाचक
4. कार्य के करने का
5. रीतिवाचक
6. कालवाचक
7. क्रिया की विशेषता बताने वाले शब्दों को
8. रीतिवाचक
9. समय का
10. क्रिया के परिमाण का

**ख. खाली जगह में उचित क्रिया–विशेषण शब्द भरिए–**

1. धीरे
2. तेज
3. धीरे–धीरे
4. ध्यानपूर्वक
5. सीधा

**ग. निम्नांकित वाक्यों में से क्रिया–विशेषण शब्द छाँटकर लिखिए–**

1. शाम
3. नीचे
4. ऊपर
5. तँगड़ाकर

खण्ड 'ख'

**क. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक–एक पंक्ति में लिखिए।–**

1. जो शब्द क्रिया को किसी–न–किसी प्रकार से प्रभावित करते हैं अथवा उसकी विशेषता बताते हैं, उन्हें क्रिया–विशेषण कहते हैं।
2. क्रिया–विशेषण के निम्न चार भेद हैं–
   1. स्थानवाचक विशेषण
   2. कालवाचक विशेषण
   3. परिमाणवाचक विशेषण
   4. रीतिवाचक विशेषण

3. विशेषण–जो शब्द संज्ञा या सर्वनाम की विशेषता का बोध कराते हैं, वे विशेषण कहलाते हैं।

क्रिया–विशेषण – जो शब्द क्रिया को किसी–न–किसी प्रकार से प्रभावित करते हैं अथवा उसकी विशेषता बताते हैं, उन्हें क्रिया–विशेषण कहते हैं।

4. कालवाचक क्रिया विशेषण के चार शब्द–कल, आज, अब, अभी–अभी।

   1. कल–वह कल मेरे घर आएगा।
   2. आज – आज बरसात होगी।
   3. अब – तुम अब खेलने जा सकते हो।
   4. अभी–अभी – मेहमान अभी–अभी आए हैं।

5. पाँच क्रिया विशेषण शब्द –प्रतिदिन, वहाँ, धीरे–धीरे, अचानक, अधिक

   1. प्रतिदिन – मैं प्रतिदिन विद्यालय जाता हूँ।
   2. वहाँ – मोहन वहाँ टहलता है।
   3. धीरे–धीरे – रेलगाड़ी धीरे–धीरे चल रही है।
   4. अचानक – कुत्ता अचानक से मेरे पर झपटा।
   5. अधिक – रीमा अधिक खाना खाती है।

**ख. इन वाक्यों को शुद्ध करके पुनः लिखिए–**

1. जितना करोगे उतना पाओगे।
2. हमें झूठ नहीं बोलना चाहिए।
3. तेज–तेज चलो वरना रेलगाड़ी छूट जाएगी।
4. महात्मा गांधी अहिंसा के साथ थे।
5. ओह! कितनी गर्मी है।
6. मेरे अलावा इस कार्य को कोई कर ही नहीं सकता।

## पाठ–13 : उपसर्ग और प्रत्यय

खण्ड 'क'

**क. सही विकल्प पर सही '✓' का चिह्न लगाइए–**

1. शोभित                    2. एँ

3. वे शब्दांश जो शब्द से पहले लगकर अर्थ परिवर्तित करते हैं

4. सु　　　　5. प्रतिकूल

6. दो　　　　7. परि

8. संस्कृत भाषा का है　　　　9. अपमान

10. मानना

**ख. नीचे कुछ प्रत्यय तथा उनके प्रकार दिए गए हैं, इन्हें सुमेलित कीजिए-**

| अ | ब |
|---|---|
| क्षमावान, दयावान भाग्यवान | वान प्रत्यय वाले शब्द |
| गहनता, समानता, कायरता | ता प्रत्यय वाले शब्द |
| ईमानदार, दुकानदार, हवलदार | दार प्रत्यय वाले शब्द |
| खिंचाई, लड़ाई, मिठाई | आई प्रत्यय वाले शब्द |
| क्षमाशील, सहनशील | शील प्रत्यय वाले शब्द |

**ग. नीचे दिए गए शब्दों को रिक्त स्थानों में सही-सही भरिए -**

1. आई,　　2. इक　　3. आ

4. आर　　5. कार

**घ. सत्य/असत्य लिखिए-**

1. असत्य　　2. सत्य　　3. असत्य

4. सत्य　　5. सत्य　　6. सत्य

खण्ड 'ख'

**क. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक-एक पंक्ति में लिखिए।-**

1. वह अव्यय, जो किसी शब्द के आरम्भ में जुड़ता है, उपसर्ग कहलाता है।
2. 'अति आवश्यक' शब्द में 'अति' उपसर्ग जुड़ा है।
3. 'अधपका' में 'अध' उपसर्ग है।
4. 'सहपाठी' में 'सह' उपसर्ग जुड़ा है।

**ख. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर पाँच से छः पंक्तियों में लिखिए-**

1. शब्दों के वे अंश या भाग जो किसी मूल शब्द से पहले जुड़कर उसके अर्थ को बदल देते हैं, उन्हें उपसर्ग कहते हैं।
2. शब्द का वह अंश या भाग जो किसी अन्य शब्द के अंत में जुड़ता है तथा उसका रूप व अर्थ बदल देता है, प्रत्यय कहलाता है।

3. 'अनु' उपसर्ग वाले पाँच शब्द — अर्थ

| | |
|---|---|
| अनुभव | तजुर्बा |
| अनुमान | अंदाजा |
| अनुसार | मुताबिक |
| अनुरोध | निवेदन |
| अनुचर | पीछे चलने वाला |

4. शांति–अशांति एक–अनेक धर्म–अधर्म
यश–अपयश उपस्थित–अनुपस्थित क्रय–विक्रय
सफल–असफल शिक्षित–अशिक्षित अर्थ–अनर्थ
कानूनी–गैरकानूनी

**ग. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर आठ से दस पंक्तियों में लिखिए –**

1. **उपसर्ग** – शब्दों के वे अंश या भाग जो किसी मूल शब्द से पहले जुड़कर उसके अर्थ को बदल देते हैं, उन्हें उपसर्ग कहते हैं।

   हिंदी के पाँच उपसर्ग और उनके वाक्य प्रयोग–

   1. वि + नम्र – विनम्र – महापुरुषों की एक बड़ी विशेषता यह है कि वे विनम्र होते हैं।
   2. कु + रूप – कुरूप – राधा के नौकर का चेहरा कुरूप था।
   3. अ + विश्वास – अविश्वास – माँ ने नौकर से अविश्वास से कुछ पूछा।
   4. बहु + मूल्य – बहुमूल्य – मेरे जन्मदिन पर मुझे बहुमूल्य उपहार मिले।
   5. स + फल – सफल – मेहनत करने वाले मनुष्य सदैव सफल होते हैं।

2. **प्रत्यय** – शब्द का वह अंश या भाग जो किसी अन्य शब्द के अंत में जुड़ता है तथा उसका रूप व अर्थ बदल देता है, प्रत्यय कहलाता है।

   1. चतुर + आई – चतुराई 2. मधुर + ता – मधुरता
   3. अच्छा + ई – अच्छाई 4. सज + आवट – सजावट
   5. मिल + आवट – मिलावट

**घ. इन शब्दों के अर्थ लिखिए–**

1. मरा हुआ 2. बदनामी 3. जन्म रहित
4. तिरस्कार, अपमान 5. अनुकरण करने योग्य 6. खुशबू

**ङ. निम्नलिखित वाक्यों को शुद्ध करके पुनः लिखिए –**

1. रमेश एक ईमानदार लड़का है।
2. जिन वस्तुओं में जान नहीं होती है, उन्हें निर्जीव कहते हैं।
3. कृतिका के चेहरे में भोलापन झलकता है।
4. कोयल सुरीला गाती है।

## पाठ–14 : विराम चिह्न

खण्ड 'क'

**क. सही विकल्प पर सही '✓' का चिह्न लगाइए–**

| | | |
|---|---|---|
| 1. उद्धरण | 2. सात | 3. विश्राम अथवा रूकना |
| 4. उद्धरण | 5. किसी बात को समझाने के लिए | |
| 6. अल्प विराम | 7. प्रश्न चिह्न | 8. लाघव विराम |
| 9. विस्मयसूचक चिह्न | 10 ''......'' | |

**ख. इनका सही मिलान कीजिए–**

| अ | ब |
|---|---|
| पूर्ण विराम | । |
| अपूर्ण विराम | : |
| विस्मयसूचक चिह्न | ! |
| निर्देशक चिह्न | – |
| कोष्ठक | ( )/{}/[] |
| अल्प विराम | , |

**ग. निम्नलिखित वाक्यों में सही–सही विराम चिह्न लगाइए –**

1. उफ ! कितनी गर्मी है ।
2. आप कहाँ जा रहे हैं ?
3. राजू, गोपाल और उनके अन्य साथी आज दिल्ली जा रहे हैं।
4. हम सभी को सुख–दुख भोगना पड़ता है।
5. नई दिल्ली, जो हमारे देश की राजधानी है, भारत के उत्तर में है।
6. राम, तुम आज कहाँ जाओगे?
7. रमेश ने कहा, ''मैं अब कभी नकल नहीं करूँगा''।

**घ. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर उपयुक्त स्थानों पर उचित विराम चिह्न लगाइए–**

आज होली है। चारों ओर हुड़दंग मचा है। दिव्या, सरिता, गीता, चिंकी सब मिलकर रंग खेलेंगे। कपिल, कृषांत और मयंक हाथ में रंग-बिरंगा गुलाल लेकर खड़े हैं। चिंकी भी गुलाल लेकर खड़ी है। श्याम के हाथ में रंग से भरी पिचकारी है। शिवानी आओ, देखें कौन किस पर रंग डालता है। लड़कियों की टोली धीरे-धीरे आगे बढ़ी। चिंकी ने सरिता को पकड़ा, दिव्या ने रंग डाल दिया। सभी ने संग मिलकर होली खेली। बहुत आनंद आया। रंग खेलकर सभी थक गए थे। किसी के भी चेहरे पहचाने नहीं जा रहे थे। शिवानी के मुँह पर तो चार-चार तरह के रंग पुते पड़े थे। चिंकी ने शिवानी, स्वाति और हैप्पी को रंग के एक बड़े ड्रम में डाल दिया। फिर हैप्पी ने तुरंत ड्रम से निकलकर चिंकी को पकड़ लिया, उसको भी ड्रम में डाल दिया। खूब आनंद आया। सभी ने शाम को तरह-तरह के पकवान व मिठाइयाँ खाईं तथा सभी से गले मिले।

खण्ड 'ख'

**क. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक-एक पंक्ति में लिखिए।–**

1. विराम (रूकना) के लिए प्रयुक्त चिह्न।
2. हिमालय से कई नदियाँ निकलती हैं, जिसमें मुख्य है–गंगा।
3. जब हम किसी अन्य व्यक्ति की बात को ज्यों-का-त्यों कहते हैं, तब उस वाक्य को उद्धरण चिह्न के अंदर लिखते हैं।
4. पूर्ण विराम चिह्न – ।, अल्प विराम चिह्न – ,
5. 1. तुम क्यों रो रहे हो ? 2. आप कहाँ जा रहे हो ?

**ख. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर पाँच से छः पंक्तियों में लिखिए–**

1. भाषा के लिखित रूप में विशेष स्थानों पर रूकने का संकेत करने वाले चिह्नों को विराम-चिह्न कहते हैं।

   **उदाहरण –** 1. अरे ! आप कब आए ?

   2. माता जी सो रही हैं।

2. भाषा में लेखन की शुद्धता के लिए विराम-चिह्नों की आवश्यकता होती है। इनसे लेखक को अपने भावों या विचारों को स्पष्ट करने में आसानी होती है। इनके प्रयोग से अर्थ का अनर्थ नहीं होने पाता। साथ ही यदि वाक्य में

विराम चिह्न का सही से प्रयोग न किया जाए तो भी वाक्य अर्थहीन और अस्पष्ट या फिर एक-दूसरे के विपरीत हो जाते हैं।

**उदाहरण** - 1. लिखो, मत पढ़ो।

2. लिखो मत, पढ़ो।

इन दोनों वाक्यों के अर्थ एक-दूसरे के विपरीत हैं।

3. विराम-चिह्न के प्रमुख प्रकार एवं उनके उदाहरण निम्नलिखित हैं-

1. पूर्ण विराम (।) - उदाहरण 1. वह घर जा रहा है।

2. बच्चा गिर गया। 3. उसने पत्र लिख दिया है।

2. अल्प विराम (,) - उदाहरण 1. हाँ, वह मेरा भाई है।

2. मैं आज स्कूल नहीं जाऊँगा, क्योंकि मेरी तबीयत खराब है।

3. सोहन, मोहन, दिनेश तथा अंकित बाजार गए हैं।

3. प्रश्न चिह्न (?) - उदाहरण - 1. तुम क्यों रो रहे हो ?

2. आप कहाँ जा रहे हो ?

3. क्या तुम खेलने नहीं जा रहे ?

4. विस्मयसूचक चिह्न ( !) - उदाहरण - अहा ! हम मैच जीत गए।

2. ओह ! वह ऊपर से गिर गया।

5. निर्देशक चिह्न (-) - उदाहरण -

1. वाक्य के दो अंग हैं -(क) कर्ता, (ख) विधेय

2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए -

3. "तुम्हें एक अच्छा नागरिक बनना है"-परिश्रम व लगन से।

6. विवरण चिह्न (:-) उदाहरण -1. संज्ञा के मुख्य तीन भेद होते हैं :- व्यक्तिवाचक, जातिवाचक और भाववाचक।

7. उद्धरण चिह्न ("") - उदाहरण -

1. गांधी जी ने कहा, "सदा सत्य बोलो।"

2. बाल गंगाधर तिलक ने कहा, "स्वतंत्रता मेरा जन्मसिद्ध अधिकार है, मैं इसे लेकर रहूँगा।"

**ग. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर आठ से दस पंक्तियों में लिखिए -**

**1.** भाषा में लेखन की शुद्धता के लिए विराम-चिह्नों की आवश्यकता होती है। इनसे लेखक को अपने भावों या विचारों को स्पष्ट करने में आसानी होती है।

इनके प्रयोग से अर्थ का अनर्थ नहीं होने पाता। साथ ही यदि वाक्य में विराम चिह्न का सही से प्रयोग न किया जाए तो भी वाक्य अर्थहीन और अस्पष्ट या फिर एक–दूसरे के विपरीत हो जाते हैं।

**उदाहरण** – 1. लिखो, मत पढ़ो।

2. लिखो मत, पढ़ो।

इन दोनों वाक्यों के अर्थ एक–दूसरे के विपरीत हैं।

दो विराम चिह्नों का वर्णन –

(i) पूर्ण विराम – इस चिह्न का प्रयोग वाक्य के अंत में करते हैं, जहाँ वाक्य समाप्त हो रहा हो।

उदाहरण – 1. माताजी खाना बना रही हैं।

2. रवि फुटबॉल खेल रहा है।

3. श्याम कल दिल्ली जाएगा।

(ii) अल्प विराम – बोलते या लिखते समय जब हम कुछ देर के लिए रुकते हैं, तब इस चिह्न का प्रयोग करते हैं। जैसे –

1. मनु बोला, बंदर को भगाओ।

2. सोहन, मोहन, दिनेश तथा अंकित बाजार गए हैं।

**घ. इन शब्दों के अर्थ लिखिए–**

1. उद्धार करना, ऊपर उठाना 2. मिलानेवाला 3. जो पूरा न हो

4. निर्देश देने वाला 5. हैरान 6. रुकना

**ङ. इन वाक्यों में विराम चिह्न लगाकर शुद्ध करके पुनः लिखिए –**

1. अरे वाह ! इतने अच्छे अंक लाए हो।
2. श्याम, रवि तथा समीर स्कूल जा रहे हैं।
3. गाँधी जी ने कहा, "सदा सत्य बोलो।"
4. अ, आ, इ, ई ....... आदि सभी हिन्दी स्वर हैं।

## पाठ–15 : शब्द–समूह के लिए एक शब्द

खण्ड 'क'

**क. सही विकल्प पर सही '✓' का चिह्न लगाइए–**

1. अनुकरणीय 2. अतीत

3. वैतनिक 4. तपस्वी

5. आशावादी 6. अपने इष्ट में आस्था रखने वाला

7. भय से डरने वाला 8. जो कहा न जा सके

9. जहाँ हरा-भरा हो 10. जिस व्यक्ति में कोई दोष न हो

**ख. इनका सही मिलान कीजिए-**

| अ | ब |
|---|---|
| सत्य बोलने वाला | सत्यवादी |
| जिस पर संदेह हो | संदिग्ध |
| एक ही जाति के लोग | सजातीय |
| जिसके पास धन न हो | निर्धन |
| जिसे गिना ना जा सके | अगणित |

**ग. निम्नलिखित वांक्याशों के लिए उपयुक्त शब्द चुनकर लिखिए-**

1. आलोचक 2. अनंत 3. अहंकारी

4. उपर्युक्त 5. हस्तलिखित 6. हितैषी

7. जलचर, 8. चरित्रवान 9. परोपकारी

10. सुलभ

**घ. नीचे दिए गए शब्दों के लिए वाक्यांश लिखिए-**

1. स्वयं की सेवा करने वाला। 2. जागने की इच्छा रखने वाला।

3. सदा रहने वाला। 4. जो अंदर से खाली हो।

5. बड़ा भाई 6. जिसे छुआ न गया हो।

7. अन्न की अधिष्ठात्री देवी 8. जो ऊपर कहा गया है।

9. उपकार करने वाला। 10. बुराई के लिए प्रसिद्ध

खण्ड 'ख'

**क. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक-एक पंक्ति में लिखिए।-**

1. अनेक शब्द
2. रघुवंशी
3. जो अंदर से खाली हो
4. जिसे दिखाई न दे

5. बड़ा भाई
6. पारदर्शी।

**ख. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर पाँच से छः पंक्तियों में लिखिए–**

1. जब किसी भाषा में अनेक शब्दों या शब्द समूह के स्थान पर एक शब्द का प्रयोग किया जाए तथा इससे उस भाषा में सौंदर्य भी उत्पन्न हो जाए तो ऐसे शब्द समूह या अनेक शब्दों के लिए प्रयुक्त शब्द, अनेक शब्दों के लिए एक शब्द कहलाता है।
2. अनेक शब्दों के स्थान पर जब हम एक शब्द लिखते हैं तो उसे उपयुक्त समझते हैं, क्योंकि ऐसा भाषा को प्रभावशाली बनाने के लिए किया जाता है। कम–से–कम शब्दों में अधिक भाव या विचार अभिव्यक्त करना अच्छे लेखक तथा वक्ता का गुण है। अतः इसके लिए अनेक शब्दों में स्थान पर एक शब्द का प्रयोग किया जाता है।
3. अपनी भाषा को प्रभावशाली बनाने के लिए अनेक शब्दों के स्थान पर एक शब्द का प्रयोग किया जा सकता है।

   उदाहरण – शरण में आया हुआ – शरणागत्
   बड़ा भाई – अग्रज
   छोटा भाई – अनुज
   व्यर्थ खर्च करने वाला – अपव्ययी
   जो आदर करने योग्य हो – आदरणीय
4. वाक्यांशों तथा इनके लिए प्रयुक्त किए गए एकल शब्द में हम एकल शब्द को जल्दी समझ जाते हैं क्योंकि कम–से–कम शब्दों में अधिक–से–अधिक विचारों की अभिव्यक्ति बहुपयोगी होती है।

**ग. इन शब्दों को अपने वाक्यों में प्रयुक्त करके लिखिए –**

1. उसने अपना खाना अछूता छोड़ दिया।
2. राम अपने दत्तक पुत्र को बहुत प्यार करता है।
3. राम एक जिज्ञासु लड़का है।
4. वीरप्पन एक कुख्यात अपराधी था।
5. सूर्य का पूर्व से निकलना एक शाश्वत सत्य है।
6. राघव का मन पढ़ाई में नहीं लग रहा ।

7. शिक्षक ने छात्रों को प्रत्यक्ष घटना पर निबंध लिखने के लिए कहा।

8. आजकल शुद्ध हवा दुर्लभ हो गयी है।

9. कोमल की माता जी अपव्ययी हैं।

10. वह एक वक्ता के रूप में उत्कृष्ट हैं।

## पाठ–16 : विलोम शब्द

खण्ड 'क'

**क. सही विकल्प पर सही '✓' का चिह्न लगाइए–**

| | | |
|---|---|---|
| 1. आकाश | 2. नीरस | 3. स्वार्थ |
| 4. स्वतन्त्र | 5. पहले का | 6. अभिशाप |
| 7. क्षमा | 8. पतन | 9. अशिष्ट |
| 10. स्तुति | 11. उचित | 12. तिरस्कार |

**ख. इन्हें सुमेलित कीजिए–**

| अ | ब |
|---|---|
| धर्म | अधर्म |
| आय | व्यय |
| सजीव | निर्जीव |
| जीत | हार |
| शिक्षित | अशिक्षित |

**ग. निम्नलिखित शब्दों के विपरीतार्थक लिखिए–**

| **शब्द** | **विपरीतार्थक** | **शब्द** | **विपरीतार्थक** |
|---|---|---|---|
| निर्माण | विध्वंस | दोष | गुण |
| सुगम | दुर्गम | आना | जाना |
| सुखी | दुखी | हर्ष | शोक |
| पाप | पुण्य | क्रूर | दयालु |
| तेज | धीरे | मोटा | पतला |
| काला | गोरा | भरा हुआ | खाली |

खण्ड 'ख'

**क. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक-एक पंक्ति में लिखिए।-**

1. विलोम शब्दों के अर्थ किसी शब्द के ठीक विपरीत या उल्टे प्रकार के होते हैं।
2. विलोम शब्दों को विपरीतार्थक शब्द के नाम से जाना जाता है।
3. 'कठिन' का विपरीतार्थक 'सरल' होगा।
4. 'अशिक्षित' शिक्षित का विलोम है।
5. 'तीव्र' का विलोम - मंद
   मंद का अर्थ -धीरे

**ख. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर पाँच से छः पंक्तियों में लिखिए-**

1. जो शब्द किसी शब्द के ठीक विपरीत या उलटे अर्थ का बोध कराते हैं, उसे विलोम शब्द कहते हैं।
2. विलोम शब्दों के छः उदाहरण निम्न प्रकार हैं-

   1. नया-पुराना-मालिक ने नया फोन खरीदा और पुराना फोन नौकर को दे दिया।

   2. युद्ध-शांति - आजकल विश्व के कई देशों में युद्ध चल रहा है और कई देशों में शांति।

   3. धनी-निर्धन - राहुल का भाई धनी है, जबकि राहुल निर्धन है।

   4. हानि-लाभ - उसने व्यापार में बहुत हानि उठाई थी परंतु अब उसे लाभ मिल रहा है।

   5. रूचि-अरूचि - नीता की रुचि गाने में है तथा नृत्य में अरुचि है।

   6. अंधेरा-उजाला - बाहर अंधेरा है जबकि कमरे में उजाला है।

**ग. निम्नलिखित शब्दों के विलोम शब्दों को अपने वाक्यों में प्रयोग कीजिए -**

1. आकाश-पाताल - पाताल लोक का राजा वासुकी नाग को माना जाता है।
2. प्रेम-घृणा - हमें किसी से घृणा नहीं करनी चाहिए।
3. निराकार-साकार - मैं अपने माता-पिता के सभी सपने साकार करूँगा।
4. द्वेष - सद्भावना - हमें जानवरों के प्रति सद्भावना होनी चाहिए।
5. चर - अचर-चर संख्या, गणित का एक भाग हैं।

## पाठ–17 : पर्यायवाची शब्द

खण्ड 'क'

**क. सही विकल्प पर सही '✓' का चिह्न लगाइए–**

| | | |
|---|---|---|
| 1. अचल | 2. पावक | 3. आक्रोश |
| 4. आमोद | 5. रमा | 6. अरण्य |
| 7. रात | 8. रिपु | 9. उच्च |
| 10. सुरसरि | 11. वधू | 12.आवश्यकता |

**ख. इन्हें सुमेलित कीजिए–**

| अ | ब |
|---|---|
| कुल, घराना, तंत्र | वंश |
| आपदा, प्रकोप, अरिष्ट | संकट |
| अदिति, कुदरत, माया | प्रकृति |
| कृपा, तरस, करुणा | दया |
| उच्च, महाशय, मूर्धन्य | महान |

**ग. निम्नलिखित शब्दों में से सही शब्द छाँटकर उपयुक्त शीर्षक के नीचे लिखिए–**

| **पेड़** | **पर्वत** | **किनारा** |
|---|---|---|
| वृक्ष, तरू, विटप | अचल, भूधर | कगार, कूल |
| द्रुम | नग, पहाड़ | तीर |

**घ. खाली स्थानों में पर्यायवाची शब्द लिखिए–**

| | | |
|---|---|---|
| 1. भूमि | 2. दोस्त | 3. यामिनी |
| 4. कंचन | 5. मनोहर | |

खण्ड 'ख'

**क. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक-एक पंक्ति में लिखिए।–**

1. समान भाव या अर्थ प्रकट करने वाले शब्द पर्यायवाची शब्द कहलाते हैं।
2. पुत्री – सुता, नंदिनी, बेटी।
   देव – सुर, अजर, देवता।
   जल –पानी, नीर, वारि
3. समानार्थक शब्द

4. कोयल – कोकिल, पंचमा, पिक पृथ्वी – भूमि, भू, धरा
   गणेश – गजानन, लंबोदर, गणपति
5. पर्वत – अचल, नग, पहाड़।
   समुद्र – सागर, रत्नाकर, सिंधु

**ख. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर छः से आठ पंक्तियों में लिखिए–**

1. समान भाव या अर्थ प्रकट करने वाले शब्द पर्यायवाची शब्द कहलाते हैं।
2. हिंदी भाषा में पर्यायवाची शब्दों का अत्यधिक महत्व है। इससे हमारी भाषा और बातचीत में नयापन बना रहता है।

**ग. निम्नलिखित शब्दों के पर्यायों को अपने वाक्यों में प्रयोग करके लिखिए –**

1. दक्ष –निपुण – बीना प्रत्येक काम में निपुण है।
2. निशा – रात्रि – कल रात्रि सोते समय मैंने एक भयानक सपना देखा।
3. दानव – राक्षस –राक्षस ने गाँववासियों को मौत के घाट उतार दिया।
4. हरि – विष्णु – हिंदू संप्रदाय के लोग विष्णु की पूजा करते हैं।
5. अचल – पर्वत – पर्वत के ऊपर एक मंदिर है।

## पाठ–18 : अनेकार्थी शब्द

### खण्ड 'क'

**क. सही विकल्प पर सही '✓' का चिह्न लगाइए–**

| | | |
|---|---|---|
| 1. तराजू | 2. प्राण | 3. पृष्ठ |
| 4. मान्यता | 5. सीधा | 6. आवाज |
| 7. नीच | 8. छल | 9. वर्ण |
| 10. गिद्ध | 11. | 12. उत्तीर्ण |
| 13. रोकना | 14. फूटना | 15. चंदन |

**ख. निम्नलिखित शब्दों को इस प्रकार अपने वाक्यों में प्रयोग कीजिए कि उनका अर्थ स्पष्ट हो जाए। साथ ही खाली स्थान में उनका अर्थ भी लिखें ( उदाहरण देखें )–**

| | | |
|---|---|---|
| अधर | 1. अधर में अनेकों तारे हैं। | अंतरिक्ष |
| | 2. मेरे अधर से खून निकल आया। | होंठ |
| पद | 1. हाथी के पद चिह्न कीचड़ में दिख रहे थे। | पैर |
| | 2. यह पद आपको बहुत मुबारक हो। | दर्जा |

| | | |
|---|---|---|
| गति | 1. वस्तु की स्थिति में परिवर्तन गति कहलाती है। | चाल |
| | 2. रमा के भाई ने शराब पीकर अपनी गति खराब कर ली है। | हालत |
| आम | 1. सीमा और उसकी बहन की लड़ाई होना तो आम बात हो गई है। | साधारण |
| | 2. मैंने रसीले आम खाए। | एक फल |
| दक्षिण | 1. मेरा मित्र भारत के दक्षिण भाग में रहता है। | एक दिशा |
| | 2. रमेश दक्षिण विचारों का व्यक्ति है। | उदार |

**ग. निम्नलिखित शब्दों के पाँच-पाँच अर्थ लिखिए-**

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| 1. **तात** | पिता | पूज्य | गुरु | भाई | मित्र |
| 2. **संकोच** | शर्म | सिकुड़ना | | लज्जा | हिचकिचाहट |
| 3. **अग्र** | आगे | पहले | अगुवा | मुख्य | सिरा |
| 4. **कमल** | जल | ताँबा | एक फूल | एक मांसपिंड | हिरण |
| 5. **ऋण** | उधार | घटना | उपकार | दायित्व | घटाने का चिह्न |

खण्ड 'ख'

**क. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक-एक पंक्ति में लिखिए।-**

1. कुछ शब्दों के अर्थ एक से अधिक अर्थात् भिन्न-भिन्न होते हैं, जैसे पूर्व के दो अर्थ दिशा व पहले हैं।
2. भाषा के अनुसार अनेकार्थक शब्दों को उनके अलग-अलग अर्थों के आधार पर प्रयोग करते हैं।
3. 1 फल (परिणाम) - आज राधा की वार्षिक परीक्षा का फल आएगा।
   फल (पेड़ों से प्राप्त खाद्य) - हमें ताजा फल खाने चाहिए।
   2 कुल (जोड़) - मेरे पास कुल सौ रुपये हैं।
   कुल (खानदान, परिवार) - अमित एक अमीर कुल से संबंध रखता है।
   3 उत्तर (एक दिशा) - भारत के उत्तर में हिमालय पर्वत है।
   उत्तर (जवाब) - दीक्षा ने अध्यापिका के द्वारा पूछे गए सभी प्रश्नों के गलत उत्तर दिए।

**ख. निम्नलिखित शब्दों के तीन-तीन अनेकार्थक लिखिए-**

1. हंस प्राण, सूर्य, आत्मा
2. पृष्ठ पीठ, पन्ना, पीछे का भाग
3. अर्थ धन, ऐश्वर्य, प्रयोजन
4. गौ गाय, किरण, दिशा
5. नीलकंठ मोर, शिव, विद्वान
6. खण्ड भाग, देश, दिशा

**ग. निम्नलिखित शब्दों को अपने वाक्यों में प्रयोग कीजिए -**

1. झोंका - दरवाजा खुलते ही ठंडी हवा का झोंका आया।
2. प्रत्यक्ष - शिक्षक ने हमें प्रत्यक्ष घटना पर निबंध लिखने को कहा।
3. वाणी - हमें मीठी वाणी बोलनी चाहिए।
4. कृष्ण - श्री कृष्ण हिंदुओं के भगवान हैं।
5. विचार - हमें सोच-विचार कर काम करना चाहिए।
6. नाव - नदी में नाव चल रही है।
7. बेला - माली फुलवारी में बेला लगा रहा है।
8. पक्षी - आसमान में अनेकों पक्षी उड़ रहे हैं।

## पाठ-19 : मुहावरे

खण्ड 'क'

**क. सही विकल्प पर सही '✓' का चिह्न लगाइए-**

1. एकमात्र सहारा
2. शर्म से झुक जाना
3. याद रखना
4. एक हो जाना
5. अत्यंत प्रसन्नता मनाना
6. बुराई करना
7. क्रोध प्रकट करना
8. आक्षेप/लांछन लगाना
9. प्राणों की परवाह न करना
10. चैन की साँस लेना

**ख. निम्नलिखित मुहावरों का अर्थ लिखिए -**

1. बस न चलना
2. घबरा जाना
3. मुकाबला करना
4. बहुत अधिक शोभा बढ़ाना
5. कुछ कह न पाना
6. हरा देना
7. हराना
8. बहुत तकलीफ का सामना करना
9. कार्यारंभ में विघ्न पड़ना
10. धोखा देनेवाला

**ग. निम्नलिखित मुहावरों का अर्थ लिखकर, उन्हें अपने वाक्यों में प्रयोग कीजिए-**

1. किसी को अति महत्व देना-बच्चों को सिर चढ़ाना ठीक बात नहीं।

2. असावधान होना – सुनीता की आँखों पर परदा पड़ा था, इसलिए उसने किसी की नहीं सुनी।
3. अशिष्ट होना –राहुल के बच्चे सिर पर चढ़ गए हैं।
4. बेइज्जती करना – रीना ने दसवीं कक्षा में तीसरी बार फेल होकर अपने माता–पिता की पगड़ी उछाल दी है।
5. गुस्सा करना– रमेश तो बात–बात पर दाँत पीसता है।
6. हार जाना– भारतीय सेना के साथ युद्ध में पाकिस्तान को मुँह की खानी पड़ी।
7. बहुत गुस्सा होना – छात्रों को शोर मचाते देखकर अध्यापक आग बबूला हो गए।
8. बहुत अधिक शोर करना – छोटे बच्चे स्कूल में रो–रोकर कान खा जाते हैं।

**घ. उचित मुहावरों द्वारा रिक्त स्थानों को भरिए–**

1. आँखे चुरायें
2. कच्ची गोलियाँ नहीं खेलीं
3. उल्लू बनाने
4. हृदय भर आया।
5. कहानी समाप्त कर दूँगा।

**ङ. निम्नलिखित अर्थों के लिए उपयुक्त मुहावरे लिखिए –**

1. एक और एक ग्यारह होना
2. हथेली पर सरसों उगाना
3. साँस लेने की फुरसत न होना।
4. आ बैल मुझे मार
5. घाट–घाट का पानी पीना।

खण्ड 'ख'

**क. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक–एक पंक्ति में लिखिए।–**

1. जो वाक्यांश अपने सामान्य अर्थ के स्थान पर एक विशेष अर्थ देते हैं, वे मुहावरे कहलाते हैं।
2. अपना उल्लू सीधा करना –अपना मतलब निकालना।

3. मुहावरा।

4. शाबाशी देना।

5. मौज करना या आराम से रहना।

6. बाज न आना – अपनी आदत न छोड़ना– रमेश हर किसी का मजाक बनाने से बाज नहीं आता।

7. कान पर जूँ रेगना–कुछ भी ध्यान न देना।

8. कच्ची गोली खेलना – अनाड़ीपन दिखाना–मैंने कोई कच्ची गोली नहीं खेली हैं, जो तुम्हारे कहने से नौकरी छोड़ दूँगा।

9. एक के तीन बनाना– अर्थ –अत्यधिक लाभ प्राप्त करना– सोहनलाल बहुत समझदार व्यापारी है, वह एक के तीन बनाता है।

10. विश्वास करना।

**ख. इन प्रश्नों के उत्तर पाँच से छः पंक्तियों में लिखिए–**

1. जो वाक्यांश अपने सामान्य अर्थ के स्थान पर एक विशेष अर्थ देते हैं, वे मुहावरे कहलाते हैं।

   उदाहरण – जान हथेली पर लेना, ईद का चाँद होना, आँखों का तारा, अंधे की लाठी आदि।

2. जो वाक्यांश अपने सामान्य अर्थ के स्थान पर एक विशेष अर्थ देते हैं, वे मुहावरे कहलाते हैं।

   उदाहरण–अपने मुँह मिया मिट्ठू बनना– अपनी प्रशंसा स्वयं करना– अजय के पिता जी से कोई भी बात करना पसंद नहीं करता, क्योंकि जब देखो वह अपने मुँह मिया मिट्ठू बने रहते हैं।

3. (i) नाक कटाना– बेइज्जती कराना – परीक्षा में फेल हो जाने पर राहुल ने माता–पिता की नाक कटवा दी।

   (ii) आग–बबूला होना – बहुत गुस्सा होना – छात्रों को शोर मचाते देखकर अध्यापक आग बबूला हो गए।

   (iii) कान खा जाना–बहुत अधिक शोर करना – छोटे बच्चे स्कूल में रो–रोकर कान खा जाते हैं।

4. आँखों का तारा–बहुत प्यारा होना– हर बच्चा अपनी माँ–बाप की आँखों का तारा होता है।

नाक कटाना– बेइज्जती कराना – परीक्षा में फेल हो जाने पर राहुल ने माता–पिता की नाक कटवा दी।

अँगुली उठाना – दोष निकालना – अंकित की तो आदत हो गई है कि हर गलती पर अपने छोटे भाई पर अँगुली उठाना।

कान पर जूँ न रेंगना – बिलकुल ध्यान न देना– अजय को बहुत बार पढ़ने के लिए कहा पर उसके कान पर जूँ नहीं रेंगती।